मंथन-भाग-6

लेखिका की कलम से

मंथन पाठशाला की शिक्षक दर्शिका आपके सम्मुख प्रस्तुत है। हम आशा करते हैं कि यह भाषा शिक्षण को सहज और आनदंप्रद बनाने में आपकी सहायता करेगी। हमारा उद्‌देश्य भाषा के चारों कौशलों का विकास करना है। इसी उद्‌देश्य को ध्यान में रखते हुए 'मंथन' पाठमाला के प्रत्येक पाठ का चयन किया गया है। पुस्तक में समकालीन विषयों का भी संकलन किया गया है। प्रत्येक पाठ के लिए एक पाठ योजना दी गई है। मननशील शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ अपनी योजना भी बना सकते हैं।

प्रत्येक पाठ के अंत में स्तरीय अभ्यास कार्यों द्‌वारा भाषायी कौशलों (सुनना-बोलन, पढ़ना-लिखना) के विकास को सुनिश्चित किया गया है। अभ्यास कार्य के उत्तर भी दर्शिका में दिए गए हैं। 'सूझ-बूझ' कल्पना की दुनिया और 'खेल-खेल में' के उत्तर छात्र स्वयं लिखेंगे।

'मंथन' के साथ सी डी हिंदी शिक्षण एवं संप्रेक्षण में अवश्यक सहायक सिद्‌ध होगी। पाठ में रोचक एवं सुंदर एनिमेशन भी दिया गया है। 'श्रवण कौशल' तथा 'अपठित अवबोधन' भाषायी कौशलों के विकास में अत्यधिक सहायक सिद्‌ध होंगे। पाठों के अंत में दिए गए अभ्यास कार्यों के अतिरिक्त 'कार्य-पत्रिका' भी संलग्न है। जिसे अतिरिक्त अभ्यास कार्य के रूप में छात्रों को दिया जा सकता है। हमारा यह प्रयास अध्यापकों के सुझावों पर आधारित है। आपके सुझावों का हम स्वागत करते हैं।

लेखिका

शालिनी शर्मा

1. सबसे न्यारा देश हमारा

शीर्षक– सबसे न्यारा देश हमारा **समयावधि–** 4.5 कालांश

उद्देश्य–

- वैश्विक भाव जागृत करना।
- एकता, भाईचारा और साहस जैसे मूल्यों का विकास।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- उत्सर्ग और देश प्रेम की भावना को प्रबल करना।
- प्रत्यय, वर्ण-विच्छेद, लिंग आदि की जानकारी देना।

सहायक सामग्री– श्याम पट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर, भारत का मानचित्र।

पूर्वज्ञान और पाठ परिचय

- कक्षा के आरंभ में छात्रों से देश से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। जैसे–भारत की राष्ट्रभाषा क्या हैं? राष्ट्रीय पशु-पक्षी कौन से हैं? क्या आप अपने देश से प्रेम करते हैं?
- भारत के मानचित्र का प्रयोग करें। राज्यों की वेशभूषा, खान-पान, भाषा आदि से संबंधित प्रश्न पूछें।
- 'पाठ से पहले' गतिविधि करवाएँ। उनके विचार जानें तत्पश्चात् पाठ आरंभ करें। छात्रों को बताएँ कि यह देश भक्ति गीत श्री पी. के. मिश्रा द्वारा रचित है, इसे फिल्म 'रोजा' में फिल्माया गया है।

शिक्षण-संकेत–

- अध्यापक सी. डी. चलाकर गीत छात्रों को दिखाएँ व सुनाएँ।
- गीत का सस्वर वाचन करें। तथा छात्रों से भी करवाएँ।
- गीत में आए कठिन शब्दों के अर्थ वाक्यों में प्रयोग द्वारा स्पष्ट करें।
- गीत का भावार्थ समझाएँ। बीच-बीच में छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। इससे पाठ में उनकी भागीदारिता सुनिश्चित होगी।
- पाठ के पश्चात गीत में निहित मुख्य भाव पर छात्रों से चर्चा करें।
- पाठ के पीछे दिए गए मौखिक अभ्यास प्रश्न पूछें। तत्पश्चात लिखित अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा करते हुए छात्रों को उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखने के लिए कहें।

भावार्थ–

गीतकार भारत का गुणगान करते हुए कह रहा है कि हमें अपना देश प्राणों से भी अधिक प्रिय है। यह एक अनोखे उपवन जैसा है। जिसमें अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न वेशभूषा, भाषा और धर्मों को अपनाने वाले लोग रहते हैं। सदियों से यह विश्व की शान बढ़ा रहा है। इसकी रक्षा करने के लिए हम अपना जीवन न्योछावर कर सकते हैं। हमें इस सुंदर बगीचे रूपी देश को नष्ट करने वाली ताकतों से बचना है। इसके लिए हम

सबको मिलकर प्रयास करना होगा। कोई हमें धर्म या जाति के नाम पर गुमराह न कर पाए। हमें मिल-जुल कर प्रेम से रहना होगा। यह सभी की जन्मभूमि है, इसलिए हम सब भाइयों की तरह मिलकर प्रेम से यहाँ रहेंगे। हम सभी हिंदुस्तानी हैं और भारत हमें अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय हैं। यहाँ अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग धर्म, जाति और भाषाओं के लोग रहते हैं, परंतु हम सभी एक हैं। संसार को यह बता दों कि हम सब अलग नहीं एक हैं। भारत एक अनोखे गुलदस्ते की तरह है, जिसमें अलग-अलग किस्म के फूल उसकी शोभा बढ़ाते हैं।

अभ्यास कार्य

कविता की समझ–

बोलकर बताइए–

इन प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं देंगे।

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) "भारत माँ की रक्षा में जीवन कुर्बान हैं।" भारत को माँ क्यों कहा गया है?

उत्तर– जिस प्रकार माँ अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उन्हें जन्म देती है, उसी प्रकार भारत की धरती पर हमने जन्म लिया है और यह हम सभी का पालन-पोषण भी कर रही है, इसलिए भारत को माँ कहा गया है।

(ख) गीत में किन राज्यों का उल्लेख हैं?

उत्तर– गीत में असम, गुजरात, बंगाल, महाराष्ट्र, कश्मीर और मद्रास का उल्लेख किया गया है।

(ग) काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उजड़े नहीं अपना चमन, टूटे नहीं गुमराह ना कर दे कोई, बरबाद ना कर दे कोई

(i) किस चमन के न उजड़ने की बात की जा रही है?

उत्तर– भारत रूपी चमन के न उजड़ने की बात की जा रही है।

(ii) यहाँ 'कोई' किसके लिए कहा गया हैं?

उत्तर– यहाँ 'कोई' शब्द अलगाववादियों और बुरी ताकतों को कहा गया है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) गीत के मुखड़े में गीतकार ने भारत की प्रशंसा में क्या कहा?

उत्तर– गीत के मुखड़े में गीतकार ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारत हमें अपने प्राणों से अधिक प्रिय है। यह सारे विश्व में सबसे न्यारा है। यह एक बगीचे की तरह है जहाँ अलग-अलग धर्म, जाति, वेशभूषा और भाषाओं के लोग इसकी शोभा बढ़ाते हैं। सैंकड़ों वर्षो से भारत विश्व की शोभा को बढ़ा रहा है। इसकी रक्षा करने के लिए हम अपने प्राणों को न्योछावर कर सकते हैं।

(ख) "सदियों से भारत भूमि दुनिया की शान है।"– भारत दुनिया की शान कैसे रहा है?

उत्तर– सैंकड़ों वर्षों से भारत जगत-गुरु की भूमिका निभा रहा है। यह विश्व में प्रेम, सद्भावना, भाई-चारे, एकता और ज्ञान का प्रकाश फैलाता रहा है। यहाँ की प्राकृतिक, सांस्कृतिक छटा निराली है। इसलिए दुनिया की शान कहा गया है।

(ग) 'भारत में' 'अनेकता में एकता दिखाई देती है।' –गीत के आधार पर लिखिए।

उत्तर– गीतकार ने भारत की 'अनेकता में एकता' के विषय में कहा है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई आदि धर्मों के लोग मिल-जुलकर भाइयों की तरह प्रेम से रहते हैं। यहाँ असम से गुजरात और बंगाल से महाराष्ट्र तक अनेक जातियों और भाषाओं के लोग रहते हैं। कश्मीर से मद्रास तक सभी एकता के सूत्र में बँधे हुए हैं। हम सब एक हैं और एक ही रहेंगे।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए–

(1) "भाषा कई सुर एक है।"

आशय– गीतकार का कहना है कि भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं, परंतु इसके बावजूद सभी के मुख से एकता के स्वर ही निकलते हैं अर्थात् भाषाओं की भिन्नता होने पर भी सभी मिलकर रहते हैं।

(2) "उजड़े नहीं अपना चमन, टूटे नहीं अपना वतन।"

आशय– इस पंक्ति का आशय यह है कि किसी के बहकावे में आकर हमें आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए। हमें अपने देश रूपी बगीचे को सदा आबाद रखना है और बुरी ताकतों से इसे बचाना है। इसके टुकड़े नहीं होने देने, इसे टूटने से बचाना हैं।

सोचकर बताइए–

इस प्रश्न का उत्तर छात्र अपनी समझ के अनुसार देंगे।

भाषा का संसार–

1. उन शब्दों पर ◯ लगाइए, जिनमें पंक्ति के अंत में दिए गए शब्दांश जोड़कर नया शब्द बनाया जा सकता है–

(क)	धर्म	मिश्र	हरी	परिवार	– इक
(ख)	प्रकृति	सम्मान	प्रभाव	संयुक्त	– इत
(ग)	नाव	नायक	कवि	लेखक	– इका
(घ)	मित्र	दर्शन	सुंदर	बालक	– ता
(ङ)	लड़का	अपूर्व	बच्चा	स्थिर	– पन

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

(क)	आना-जाना = आना और जाना		(ख)	काम-काज = काम और काज	
(ग)	ऊपर-नीचे = ऊपर और नीचे		(घ)	दिन-रात = दिन और रात	
(ङ)	राधा-कृष्ण = राधा और कृष्ण		(च)	माता-पिता = माता और पिता	
(छ)	दाल-चावल = दाल और चावल		(ज)	गरमी-सरदी = गरमी और सरदी	
(झ)	लेना-देना = लेना और देना		(ञ)	फल-सब्ज़ी = फल और सब्ज़ी	

3. निम्नलिखित वर्णों के मेल से बने शब्द लिखिए–

(क) प् + र् + अ + क् + ऋ + त् + इ = प्रकृति

(ख) च् + अं + द् + र् + ओ + द् + अ + य् + अ = चंद्रोदय

(ग) व् + इ + च् + छ् + ए + द् + अ = विच्छेद

(घ) व् + इ + ज् + ञ् + आ + न् + अ = विज्ञान

4. नीचे लिखे शब्दों के उचित स्त्रीलिंग विकल्प पर ✓ का चिह्न लगाइए–

(क) कवि –	कवित्री	(✗)	कवयत्री	(✗)	कवयित्री	(✓)
(ख) नाग –	नागी	(✗)	नागिन	(✓)	नागनी	(✗)
(ग) सिंह –	सिंहनी	(✓)	सिंही	(✗)	सिंघी	(✗)
(घ) मामा –	मामिन	(✗)	ममिया	(✗)	मामी	(✓)

ध्यान से सुनिए (श्रवण कौशल)

छात्र अध्यापक/ अध्यापिका द्वारा बोली गई। कविता को ध्यानपूर्वक सुनकर रिक्त स्थान भरेंगे।

सूझ-बूझ (जीवन-कौशल)

इस प्रश्न का उत्तर छात्र अपनी समझ के अनुसार लिखेंगे।

कल्पना की दुनिया–

दिए गए शब्दों की सहायता से छात्र स्वयं अनुच्छेद लिखेंगे। अध्यापक/ अध्यापिका छात्रों के विचारों को व्यवस्थित रूप देने में सहायता कर सकते हैं।

आइए, कुछ नया करें–

छात्र स्वयं इंटरनेट, पुस्तकालय, समाचार-पत्र आदि की सहायता से खोज-बीन करके जानकारी एकत्रित करेंगे।

2. मेहमान लौट आया

शीर्षक– मेहमान लौट आया। **समयावधि–** 4 कालांश

उद्देश्य–

- पशु-पक्षियों के प्रति स्नेह, करुणा और संवेदनशील जाग्रत करना।
- समर्पण और सेवा भाव पर बल।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- चिंतन-मनन तथा परिणाम का अनुमान लगाना।
- वर्ण-विच्छेद, सर्वनाम, पर्यायवाची, मुहावरे, विलोम शब्द, युग्म-शब्दों का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट, सी. डी., कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर।

पूर्वज्ञान–

- पालतू तथा जंगली पशु-पक्षियों का हमारे जीवन में क्या योगदान है?
- आपने कभी कोई पशु या पक्षी पाला हैं? अपने अनुभव बताइए।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दिए गए 'पाठ से पहले' अभ्यास को छात्रों से करने के लिए कहें। तत्पश्चात उस पर छात्रों से चर्चा करें।
- सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनाएँ।
- शुद्ध उच्चारण तथा विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए पाठ का भावपूर्ण वाचन करें। अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ। छात्रों से कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- बीच-बीच में पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न छात्रों से पूछकर उनकी भागीदारिता सुनिश्चित करें।
- पाठ के अंत में पाठ में निहित भाव पर चर्चा करें।
- तत्पश्चात छात्रों से पाठ का मौन और मुखर वाचन करवाएँ। ध्यान रखें कि सभी छात्रों को वाचन का अवसर मिलें।
- पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत पाठ में दिए गए अभ्यास प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें। उनके द्वारा बताए गए उत्तरों में आवश्यकतानुसार सुधार करें।
- पाठ में दिए गए चित्रों में से अपना मनपसंद चित्र 'चित्र रचना' के रूप में बनाने के लिए कहें।
- पाठ्येतर गतिविधि व क्रियाकलापों पर भी चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

पाठ की समझ

बोलकर बताइए–

इन प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं देंगे।

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

(क) अजय की माँ जॉली से क्यों नाराज़ थीं?

उत्तर– जॉली के मालिक रॉय अंकल जॉली को उनके घर एक महीने के लिए छोड़कर गए थे। एक महीने तक उसके खाने-पीने और स्वास्थ्य का ध्यान उन्हें रखना पड़ेगा, यह सोचकर उसकी माँ बहुत नाराज़ हो रही थी।

(ख) रॉय अंकल अपना कुत्ता अजय के घर क्यों छोड़ गए थे?

उत्तर– रॉय अंकल के पिताजी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। वे उनके पास दूसरे शहर गए थे, इसलिए वे जॉली को अजय के घर छोड़ गए।

(ग) जॉली रात को क्यों रो रहा था?

उत्तर– जॉली को अपने घर और मालिक की याद आ रही थी, इसलिए रात को जब सब सो गए, तो वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा।

(घ) रॉय अंकल ने अजय को पोस्टकार्ड क्यों भेजा?

उत्तर– अजय रॉय अंकल के कुत्ते जॉली की अच्छी तरह देखभाल कर रहा था। इसके लिए धन्यवाद लिखकर उन्होंने अजय को पोस्टकार्ड भेजा।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) जॉली को देखकर अजय खुश क्यों नहीं हुआ?

उत्तर– अजय को डर था कि इतने बड़े कुत्ते को उसके घर में देखकर डर के मारे उसके दोस्त उसके घर नहीं आएँगे। जॉली यदि बाहर बैठा रहेगा, तो वह चुपके से घर के बाहर भी नहीं जा पाएगा। क्योंकि वह भौंककर माँ को बता देगा। उसकी सारी छुट्टियाँ घर के भीतर बंद रहकर ही बीत जाएँगी। यह सब सोचकर अजय जॉली को देखकर खुश नहीं था।

(ग) अजय और जॉली अच्छे दोस्त बन गए थे। कैसे?

उत्तर– पहली रात जब अजय ने जॉली को प्यार से खाना खिलाया था, उसके बाद दोनों में धीरे-धीरे दोस्ती हो गई। जब अजय अपना काम करता, तो जॉली उसके पास ही बैठा रहता। अजय जब बाहर जाता, तब जॉली उसे सड़क तक छोड़कर आता और लेकर भी आता। अब अजय को किसी और साथी की आवश्यकता नहीं थी। माता-पिता के बाहर जाने पर, वे दोनों घर पर अकेले भी रह जाते थे।

(घ) जॉली के चले जाने पर अजय की क्या दशा हो गई? विस्तार से लिखिए।

उत्तर– जब रॉय अंकल और आँटी जॉली को घर वापस ले गए, तब अजय बहुत निराश और दुखी हो गया। जॉली को घर में ना पाकर वह बहुत उदास हो गया था। ऐसा लगता था, मानो उसका कुछ खो गया है। उसे खाना भी अच्छा नहीं लग रहा था। उसके मन में जॉली के प्रति गुस्सा भी भर गया था कि इतना प्यार पाकर भी जॉली अपने मालिक के साथ वापस क्यों चला गया। उसे सारा घर जॉली के बिना सुनसान लग रहा था।

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) उसके स्नेह भरे स्पर्श का जादू काम कर गया।

उत्तर– जिस प्रकार जादू से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है, उसी प्रकार अजय का स्नेह भरा स्पर्श पाकर जॉली शांत हो गया और उसने भोजन खा लिया।

(ख) अजय की सारी शिकायतें ऑसुओं में धुल गई।

उत्तर– जॉली के अचानक वापस चले जाने के कारण अजय जॉली से बहुत नाराज़ था। उसके मन में जॉली के प्रति बहुत सी शिकायतें थीं। परंतु जब जॉली आकर अजय के पैरों से लिपट गया, तब उसका स्नेह पाकर अजय की सारी शिकायतें भूल गया।

4. किसने, किससे, कब कहा?

(क) "लीजिए, खिलाइए अपने लाडले को।"

उत्तर– रात के खाने के बाद जॉली का खाना देते हुए माँ ने पिताजी से कहा।

(ख) "बैठे-बैठे बोर हो गया होगा।",

उत्तर– रात के समय जब जॉली रो रहा था, तब माँ ने पिता जी से कहा।

सोचकर बताइए–

(क) मेहमान किसे कहते हैं? जॉली को मेहमान क्यों कहा गया हैं?

उत्तर– जो आपके घर में कुछ दिन के लिए आकर रुके, उसे मेहमान कहते हैं। जॉली अजय के घर केवल एक महीने के लिए आया था, इसलिए उसे मेहमान कहा गया है।

ifBr cks/

उसे पहली .... लग रहा था।

(क) 'उसे' शब्द किसके लिए आया हैं?

उत्तर– 'उसे' शब्द अजय के लिए आया है।

(ख) जॉली बिलख-बिलखकर क्यों रो रहा था?

उत्तर– जॉली को अपने मालिक और घर की याद आ रही थी, इसलिए वह बिलख-बिलखकर रो रहा था।

(ग) उसे जॉली पर गुस्सा क्यों आ रहा था?

उत्तर– अजय को जॉली पर गुस्सा इसलिए आ रहा था क्योंकि वह उसके स्नेह को भूलकर अपने घर वापस चला गया था।

(घ) 'घर भाँय-भाँय करता लग रहा था' का क्या अर्थ हैं?

उत्तर– इसका अर्थ है कि घर सुनसान और खाली लग रहा था।

लिखकर दोहराइए–

दिए गए कठिन शब्दों को छात्र स्वयं लिखकर दोहराएँगे।

भाषा का संसार

1. पाठ में आए अंग्रेज़ी भाषा के शब्द लिखिए–

ऑटी	अंकल	जॉली
अल्सेशियन	बोर	गुडमॉर्निंग

2. वर्ण-विच्छेद कीजिए–

अगवानी = अ + ग् + अ + व् + आ + न् + ई

मेहमान = म् + ए + ह् + अ + म् + आ + न् + अ

तंद्रा = त् + अं + द् + र् + आ

आँसुओं = आँ + स् + उ + ओं

छुट्टी = छ + उ + ट् + ट् + ई

3. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के भेद लिखिए–

(क) उसका कुछ इलाज करो।	अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
(ख) जॉली को कुछ खिलाओ।	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ग) इस वक्त कौन होगा?	प्रश्नवाचक सर्वनाम
(घ) कितना प्यार किया था मैंने उसे।	पुरुषवाचक सर्वनाम
(ङ) फिर उसने अपनी छोटी मेज़ वहाँ लगा ली।	पुरुषवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम

4. निर्देशानुसार कीजिए–

(क) 'अगवानी' शब्द का पर्याय – स्वागत

(ख) 'राग अलापना' मुहावरे का अर्थ – अपनी ही बात कहते जाना

(ग) 'विष' का विलोम शब्द – अमृत

(घ) पाठ से चार शब्द-युग्म छाँटिए– भाँय-भाँय, खाना-पीना, बिलख-बिलखकर, अंकल-ऑटी

अपठित अवबोधन

गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चुनाव में कौन मतदान कर सकता हैं?– बालिग

(ख) कैसी ध्वनियों से लेखक के कान फट रहे थे? – नारों की ध्वनियों से

(ग) यहाँ से चुनाव में कितने लोगों का चयन किया जाना था? – केवल एक व्यक्ति का

(घ) लेखक मतदान के समय कहाँ जा पहुँचा? – मतदान केंद्र में

'कल्पना की दुनिया' तथा 'खेल-खेल में गतिविधि छात्र स्वयं करेंगे। अध्यापक/ अध्यापिकाएँ छात्रों का मार्ग-दर्शन करें तथा विचाराभिव्यक्ति में सहयोग दें।

3. स्वच्छता-अभियान

शीर्षक– स्वच्छता-अभियान **समयावधि–** 4-5 कालांश

शिक्षण उद्देश्य–

- ➢ चितन-मनन की क्षमता को बढ़ावा देना।
- ➢ पर्यावरण के प्रति सजगता जाग्रत करना।
- ➢ देश के प्रति कर्त्तव्यों का ज्ञान कराना।
- ➢ स्वच्छता के महत्व को समझना।
- ➢ भाषायी कौशलों का विकास।
- ➢ क्रिया, विलोम शब्द, मुहावरे, योजक शब्दों का अभ्यास कराना।

सहायक सामग्री–

श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर, स्वच्छ भारत अभियान का पोस्टर या गाँधी जी का चित्र।

पूर्वज्ञान– छात्र स्वच्छ-भारत अभियान से पूर्व परिचित हैं। उनके इसी ज्ञान को आधार बनाकर छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। जैसे– स्वच्छ भारत अभियान किसने चलाया? यह अभियान क्यों चलाया गया? आपके क्षेत्र में सफ़ाई की क्या व्यवस्था हैं? आदि।

शिक्षण संकेत–

- ➢ गाँधी जी का पोस्टर दिखाते हुए बताएँ कि वे स्वच्छता को ईश्वर की पूजा करने के समान मानते थे।
- ➢ 'पाठ से पहले' गतिविधि करवाने के उपरांत छात्रों के साथ उस पर चर्चा करें।
- ➢ सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- ➢ पाठ में आए कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखें।
- ➢ उन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें तथा छात्रों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ बताएँ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- ➢ अब पाठ का आदर्श वाचन करें। साथ-ही साथ एक-एक अनुच्छेद समझाते जाएँ।
- ➢ बीच-बीच मतें छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- ➢ पाठ का आदर्शवाचन समाप्त होने के बाद छात्रों से एक-एक अनुच्छेद पढ़वाएँ साथ ही उनके द्वारा किए गए उच्चारण में अपेक्षित संशोधन करें।
- ➢ पाठ के मुख्य भाव पर चर्चा करें और छात्रों के विचार जानें।
- ➢ पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास प्रश्नों पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें।
- ➢ छात्रों द्वारा दिए गए उत्तरों में अपेक्षित संशोधन करें तथा छात्रों से उत्तर-पुस्तिका में उत्तर लिखने के लिए कहें।
- ➢ यदि आवश्यक हो तो कुछ उत्तर श्याम-पट्ट पर भी लिखें।
- ➢ लेखक-कार्य करवाते समय छात्रों के निकट जाकर कार्य का अवलोकन करें तथा उन्हें उचित परामर्श दें।

अभ्यास कार्य

बोलकर बताइए–

इन प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं देंगे।

लिखकर बताइए–

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) टेलीविजन पर प्रसारित विज्ञापन को देखकर प्रतिभा ने क्या सोचा?

उत्तर– टेलीविजन पर प्रसारित विज्ञापन को देखकर प्रतिभा ने पहले यह सोचा कि वह भी अन्य विज्ञापनों जैसा हैं, परंतु शीघ्र ही उसे पता चल गया लगा कि यह विज्ञापन कुछ अलग हैं।

(ख) प्रतिभा ने किस बारे में अपनी असमर्थता जताई?

उत्तर– प्रतिभा ने दूसरे लोगों को स्वच्छता के विषय में जानकारी देने के लिए समय निकालने में असमर्थता जताई।

(ग) पिता और पुत्री ने क्या प्रण लिया?

उत्तर– पिता और पुत्री ने यह प्रण लिया कि वे दोनों अपने स्तर पर घर के आस-पास तथा बाहर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग देंगे और प्रतिदिन एक व्यक्ति से इसके बारे में बात करेंगे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) पिताजी ने प्रतिभा को किन उदाहरणों द्वारा 'स्वच्छता' के विषय में जानकारी दी?

उत्तर– पिताजी ने प्रतिभा को अपने घर का उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस प्रकार यह हमारा घर है और इसे स्वच्छ व सुंदर रखने की जिम्मेदारी हमारी है, उसी प्रकार यह देश भी हम सबका घर है और इसकी स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखने का दायित्व केवल सरकार का नहीं है। हम सबके सहयोग के बिना यह कार्य असंभव हैं।

(ख) पाठ के आधार पर 'स्वच्छता अभियान' के विषय में अपने विचार लिखिए।

उत्तर– 'स्वच्छता अभियान' राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक अभियान है। यह देशभक्ति की भावना से प्रेरित अभियान है और इसे सफल बनाने का दायित्व प्रत्येक भारतीय का है। इस अभियान के तहत गाँवों, शहरों, नदियों आदि की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में गलियों, सड़कों और शौचालयों का निर्माण आदि भी इस अभियान का हिस्सा है।

(ग) देश की छवि किस प्रकार सुधरेगी? इस ओर हमारे क्या दायित्व हैं?

उत्तर– देश को स्वच्छ व सुंदर रखकर देश की छवि को सुधारा जा सकता है। इस दिशा में हम सभी को योगदान देना होगा। हमें केवल अपने घरों में ही नहीं, बल्कि आस-पड़ोस और सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफ़ाई का भी ध्यान रखना होगा। यह तभी संभव है, जब हम न तो स्वयं कूड़ा-कचरा बाहर फैंके और न ही दूसरों को फैंकने दें।

3. अर्थ स्पष्ट कीजिए–

(क) 'एक और एक मिलकर ग्यार हो सकते हैं।'

अर्थ– इस पंक्ति का अर्थ है कि यदि हम एक-एक करके मिलते चले जाएँ तो असंभव को भी संभव कर सकते हैं।

(ख) 'स्वच्छता से देश की छवि सुधर सकती है।'

उत्तर– भारत को स्वच्छ करके हम विदेशियों की नज़रों में अपने देश की छवि को सुधार सकते हैं।

भाषा का संसार

1. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

(क) स्वच्छ – अस्वच्छ

(ख) आवश्यक – अनावश्यक

(ग) जागृत – सुप्त

(घ) विशेष – साधारण

(ङ) निर्माण – विध्वंस

(ङ) स्वप्न – हकीकत

2. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पदों को रेखांकित करके भेदों के नाम लिखिए–

	भेद
(क) हमें कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।	– सकर्मक क्रिया
(ख) कमरे में टेलीविज़न चल रहा था।	– अकर्मक क्रिया
(ग) भारत सरकार में 'स्वच्छता अभियान' चलाया।	– सकर्मक क्रिया
(घ) हमें घर और बाहर की सफ़ाई रखनी चाहिए।	– सकर्मक क्रिया
(ङ) मुझे खेलकूद से समय नहीं मिलता।	– सकर्मक क्रिया

3. पाठ में आए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

(क) काया पलट होना = बिल्कुल बदल जाना = दस सालों में दिल्ली की तो काया ही पलट गई है।

(ख) एक और एक ग्यारह = शक्ति का बढ़ना = यदि हम मिलकर काम करें तो एक और ग्यारह हो सकते हैं।

4. दिए गए शब्दों का उचित प्रयोग करके वाक्य पूरे कीजिए–

(क) कि (ख) परंतु (ग) या (घ) ताकि

(ङ) इसलिए (च) और (छ) यदि, तो

ध्यान से सुनिए, सूझ-बूझ, कल्पना की दुनिया तथा खेल-खेल में छात्र स्वयं अपनी समझ से करेंगे। इसके लिए अध्यापक छात्रों को यथोचित सहयोग दे सकते हैं।

4. अक्कड़-मक्कड़

शीर्षक– अक्कड़-मक्कड़ **समयावधि–** 4 काल

उद्देश्य–

- ➢ सौहार्द तथा प्रेम की भावना जगाना।
- ➢ मानसिक व शारीरिक शक्ति का उचित प्रयोग करना।
- ➢ वाणी पर संयम बरतना।
- ➢ भाषायी कौशलों का विकास।
- ➢ काव्य सौंदर्यानुभूति।
- ➢ वचन, सर्वनाम, संयुक्ताक्षर, तुकांत शब्द आदि का अभ्यास करना।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., पहलवान और विद्वान के चित्र, कंप्यूटर आदि।

पूर्वज्ञान–

- ➢ छात्र कुश्ती, पहलवान आदि से पूर्व परिचित होंगे। उनसे प्रश्न पूछें कि बुद्धि बड़ी है या बल?

शिक्षण संकेत

- ➢ पहलवान और विद्वान व्यक्ति का चित्र दिखाकर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। जैसे दोनों में क्या असमानताएँ हैं? कौन अधिक बलवान है? क्यों?
- ➢ कविता के आरंभ में दी गई गतिविधि 'कविता से पहले' छात्रों से करवाएँ। तत्पश्चात उस विषय पर छात्रों के साथ चर्चा करें।
- ➢ एनिमेटेड सी. डी. चलाकर छात्रों को कविता दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- ➢ सी. डी. बीच में रोककर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- ➢ तत्पश्चात् कविता का उचित लय-ताल सहित आदर्श वाचन करें। कविता का भाव समझाएँ।
- ➢ अब छात्रों से पूरी कविता सुनाने को कहें।
- ➢ आवश्यकतानुसार संशोधन करें।
- ➢ श्यामपट्ट पर कठिन शब्द लिखकर उनका शुद्ध उच्चारण करें तथा छात्रों से भी करवाएँ।
- ➢ कविता पर आधारित अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें। आवश्यकतानुसार संशोधन करें।
- ➢ शब्द अर्थ बताएँ व लिखवाएँ।
- ➢ कविता पर आधारित चित्र रचना भी करवा सकते हैं।
- ➢ कविता पर आधारित सभी अभ्यास प्रश्न छात्रों से उत्तर-पुस्तिका में लिखवाएँ।

भावार्थ–

अक्कड़-मक्कड़ नाम के दो व्यक्ति धूल से भरे रास्ते में लड़ाई कर रहे थे। दोनों ही असभ्य और मूर्ख थे। वे दोनों एक साथ बाज़ार से लौट रहे थे कि किसी बात पर दोनों में ठन गई और वे एक दूसरे दाढ़ी-मूँछ खींच-खींच कर लड़ने लगे। कभी लगता कि अक्कड़ जीत रहा है, तो कभी मक्कड़ जीतता हुआ दिखाई देता था। दोनों का झगड़ा बढ़ता ही जा रहा था। लोग खुश होकर उनकी लड़ाई का तमाशा देख रहे थे। उसी भीड़ में एक व्यक्ति था, जो अपने मन की सुनता और करता था। उसने कड़क आवाज़ में दोनों को लड़ने से रोका। उसकी गरजती हुई आवाज़ सुनकर दोनों को रुकना पड़ा। उसकी बात उन्हें सही लगी। उस व्यक्ति ने उन्हें समझाया कि अपनी ताकत को आपस में लड़कर व्यर्थ मत गँवाओ। भाईचारे की भावना से मिल-जुलकर रहो। जब उन दोनों मूर्खों ने यह सुना, तो दोनों अपनी करनी पर शर्मिंदा हुए। जो लोग तमाशा देखने के लिए वहाँ खड़े थे, वे भी शर्मिंदा हो कर वहाँ से चले गए। उन सबको भी अक्कड़-मक्कड़ का झगड़ा करना बेकार लगा। अक्कड़-मक्कड़ भी एक होकर गले मिलने लगे।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) अचानक बात-बात में क्या हुआ?

उत्तर– अचानक बात-बात में अक्कड़ और मक्कड़ में ठन गई और दोनों आपस में झगड़ा करने लगे।

(ख) लोग दोनों का झगड़ा क्यों नहीं निपटा रहे थे?

उत्तर– लोगों को तमाशा देखने में आनंद आ रहा था, इसलिए वे झगड़ा नहीं निपटा रहे थे।

(ग) फक्कड़ कैसा था?

उत्तर– फक्कड़ मस्त-मौला किस्म का था। वह मन का राजा था।

(घ) फक्कड़ ने सधी हुई आवाज़ में क्या कहा?

उत्तर– फक्कड़ ने सधी हुई आवाज़ में दोनों को शर्म से चुल्लू भर पानी में डूब मरने के लिए कहा और समझाया कि वे अपनी ताकत व्यर्थ लड़ने में न खोएँ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कविता की पहली छः पंक्तियों में कवि ने यह कहा है कि अक्कड़-मक्कड़ नाम के दो बदतमीज़ और मूर्ख व्यक्ति थे। वे दोनों एक दिन बाज़ार से सज धज कर लौट रहे थे। किसी बात पर दोनों में लड़ाई छिड़ गई और हाथापाई होने लगी। एक ने दूसरे की मूँछें खींची, तो दूसरे ने गुस्से से उसकी गरदन भींच दी।

(ख) अक्कड़-मक्कड़ कैसे लड़ रहे थे?

उत्तर– अक्कड़ और मक्कड़ दोनों बहुत घमंडी और असभ्य थे। आपस में बात करते-करते किसी बात पर दोनों आपस में लड़ पड़े। लड़ाई बढ़ते-बढ़ते, हाथापाई होने लगी। वे अपनी मूँछों को ताव देकर हवा में हाथ घुमाने लगे। एक ने दूसरे की गरदन को पकड़ कर दबाया, तो दूसरे ने प्रतिकार करते हुए अपने विरोधी की मूँछें खींच लीं। दोनों लड़ते-लड़ते धूल में लोट-पोट हो रहे थे।

(ग) फक्कड़ ने अक्कड़ और मक्कड़ से क्या कहा?

उत्तर– फक्कड़ ने अक्कड़ और मक्कड़ को लड़ते देखकर ज़ोर से ललकारा और उन्हें झगड़ा रोक देने के लिए कहा। उसकी गरजती हुई आवाज़ को सुनकर वे दोनों रुक गए। उसने उन्हें समझाया कि इतने बड़े होकर वे इस प्रकार लड़ रहे हैं, यह बहुत शर्म की बात हैं। लड़ाई-झगड़े में अपनी ताकत को उन्हें व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए, बल्कि भाईचारे के साथ रहना चाहिए।

(घ) कविता के द्वारा कवि हमें क्या संदेश दे रहा है?

उत्तर– कविता के माध्यम से कवि हमें यह संदेश दे रहा है कि हमें आपसी मन-मुटाव को भुलाकर प्रेम और भाईचारे के साथ रहना चाहिए। व्यर्थ की लड़ाई-झगड़े से हमारी ताकत कम हो जाती है और इसका लाभ हमारा शत्रु उठाता है। यदि हम मिलजुल कर रहेंगे, तो कोई भी हमें हानि नहीं पहुँचा सकेगा।

3. भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(क) "सुनी मूर्खों ने जब यह वाणी दोनों जैसे पानी-पानी।"

उत्तर– जब अक्कड़ और मक्कड़ को फक्कड़ ने लड़ाई रोकने के लिए ललकारा, तब उसकी बातें सुनकर दोनों बहुत शर्मिंदा हो गए।

(ख) "मगर एक कोई था फक्कड़
मन का राजा कर्रा-कक्कड़।"

उत्तर– अक्कड़-मक्कड़ की लड़ाई का तमाशा दे रहे लोगों में एक व्यक्ति ऐसा था, जो मस्त मौला था। उसे जो बात गलत लगती थी, वह उसे मुँह पर कह देता था।

पठित बोध

काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

सबको नाहक............ धूल में धक्कड़

(क) 'सबको' किसके लिए कहा गया हैं?

उत्तर– 'सबको' तमाशा देख रहे लोगों को कहा गया है।

(ख) किसकी ताकत नखरा भूल गई?

उत्तर– अक्कड़-मक्कड़ की ताकत नखरा भूल गई।

(ग) 'धूल में धक्कड़' का क्या अर्थ है?

उत्तर– 'धूल में धक्कड़' का अर्थ है धूल से लथपथ होना।

(घ) दोनों गले क्यों मिले?

उत्तर– दोनों लड़ाई को भूलकर वापस दोस्तों की तरह गले मिले।

(ङ) किसके कहने पर दोनों ने ऐसा किया?

उत्तर– फक्कड़ के कहने पर दोनों ने ऐसा किया।

निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

वाणी – हमें मधुर वाणी बोलनी चाहिए।

नखरा – राधिका फल खाने में नखरे करती है।

सधी – घोड़ा सधी चाल से चलने लगा।

गर्जन – बादलों की गर्जन सुनकर मोर नाच उठा।

भाषा का संसार

1. समान तुक वाले शब्द लिखिए–

अक्खड़– धक्कड़, कक्कड़

धूल – भूल, शूल

शर्म – धर्म, नर्म

गर्जन – तर्जन, विसर्जन

ताकत – हिमाकत, फ़कत

गर्दन – गर्जन, तर्जन

2. कविता में आए अंगों के नाम लिखिए–

चेहरे	मूँछें	गरदन
बाँहें	दाढ़ी	मन

3. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए–

मूँछें – मूँछ	बाँह – बाँहें	दाढ़ी – दाढ़ियाँ
गले – गला	चेहरे – चेहरा	गर्दन – गर्दनें

4. संयुक्ताक्षर से दो-दो शब्द बनाइए–

क्क– धक्का, पक्का, मक्का

व्य – व्यक्ति, व्यंजन

ल्ल– दिल्ली, बिल्ली, तसल्ली

स्त – रास्ता, मस्तक, खस्ता

5. सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए–

(क) यह, वह (ख) उसने (ग) उसने, इसकी (घ) कोई

अपठित अवबोधन

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) चुनावों को जनतंत्र की रीढ़ कहा जाता है। (ख) जनता के प्रतिनिधि

(ग) सेवा का लाभ (घ) हानि

(ङ) युद्ध का मैदान, मेला-स्थल

'सूझ-बूझ/ जीवन कौशल' और 'कल्पना की दुनिया' के प्रश्न छात्र स्वयं करेंगे।

इस कार्य को करने में अध्यापक आवश्यकतानुसार छात्रों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

5. छोटे कद का बड़ा जादू

शीर्षक– छोटे कद का बड़ा जादू **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्‌देश्य–

- देश के महान व्यक्तियों के जीवन से परिचित करवाना।
- स्वाभिमान, सच्चाई, दृढ़, संकल्प, मेहनत और लगन जैसे नैतिक मूल्यों का विकास।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- संज्ञा, मुहावरे, उपसर्ग, वाक्यांश के लिए एक शब्द, समानार्थी शब्दों का अभ्यास कराना।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- सबसे पहले पाठ की भूमिका तैयार करें। उनसे छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। जैसे अब तक के देश के प्रधानमंत्री के नाम बताइए।
- 'पाठ से पहले' गतिविधि छात्रों से करवाएँ और उनके विचार जानें।
- एनिमेटेड सी. डी. चलाकर छात्रों से पाठ को ध्यानपूर्वक सुनने और देखने को कहें।
- सी. डी. बीच में रोक कर छात्रों से प्रश्न पूछें।
- श्यामपट्ट पर कठिन शब्द लिखकर उनका शुद्‌ध उच्चारण करें तथा छात्रों से भी करवाएँ।
- अब पाठ का आदर्श वाचन करें और साथ साथ समझाते जाएँ। बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- तत्पश्चात् छात्रों को पाठ का एक-एक अनुच्छेद पढ़वाएँ और उनके द्‌वारा किए गए उच्चारण में अपेक्षित संशोधन करें।
- पाठ में निहित मुख्य संदेश पर चर्चा करें।
- पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें। आवश्यकता हो तो त्रुटियों में संशोधन करें।
- अब छात्रों से उत्तर-पुस्तिका में उत्तर लिखने के लिए कहें।
- पाठ में दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र की रचना भी करवा सकते हैं।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए

(क) लाल बहादुर जी की माँ ने उन्हें क्या सिखाया?

उत्तर– लाल बहादुर जी की माँ ने स्वाभिमानी बनना सिखाया। उन्होंने कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया।

(ख) शास्त्रीजी ने राष्ट्र के नाम क्या संदेश दिया?

उत्तर– शास्त्रीजी ने राष्ट्र के नाम संदेश देते हुए कहा कि अपनी आज़ादी की रक्षा और देश की सुरक्षा के साथ-साथ खाद्यान्न के मामले में भी हमें आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

(ग) पिता और नाना जी की मृत्यु के बाद नन्हे को कहाँ भेजा गया? क्यों?

उत्तर– पिता की मृत्यु के बाद शास्त्री जी को उनके मामा के घर बनारस पहुँचा दिया गया, ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

(घ) लाल बहादुर को अपने मामा के यहाँ क्या-क्या करना पड़ता था?

उत्तर– लाल बहादुर को मामा के घर झाड़ू लगाना, कपड़े धोना आदि काम करने पड़ते थे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) शास्त्रीजी को बचपन में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर– शास्त्री जी को बचपन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जब वे केवल डेढ़ वर्ष के थे तब उनके पिता की मृत्यु हो गई। उनकी माँ उन्हें लेकर अपने पिता के घर चली गई। परंतु कुछ समय बाद वे भी चल बसे। शास्त्री जी पढ़ाई जारी रह सके, इसके लिए माँ ने उन्हें मामा के घर भेज दिया। जहाँ उन्हें घर के कई काम करने पड़ते थे। उनके पास पुस्तक खरीदने के पैसे भी नहीं होते थे।

(ख) शास्त्रीजी की माँ उनके लिए प्रेरणा स्रोत थीं। कैसे?

उत्तर– जब अपने मामा-मामी के घर आश्रय लेते समय शास्त्री जी को झाड़ू लगाना, कपड़े धोना जैसे काम करने पड़ते, तब वे उन्हें सिखाती कि हार न मानना ही जीवन का दूसरा नाम है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना आवश्यक है। वे बहुत स्वाभिमानी महिला थीं। माँ की सीख ने शास्त्री जी को कठिन परिस्थितियों से लड़ने और अच्छाई की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

(ग) शास्त्री जी ने जीवन में किसी भी प्रकार की बाधा को अपने मार्ग की रुकावट बनने नहीं दिया। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– एक बार उनके गुरुजी ने गृहकार्य के रूप में अंग्रेज़ी भाषा का गृह कार्य दिया और रेपिड रीडर लाने के लिए कहा। जो विद्यार्थी किताब नहीं लाता, उसे सज़ा मिलती। लाल बहादुर के पास रैपिड रीडर नहीं थी और न ही उसे खरीदने के लिए पैसे थे। उन्होंने अपने मित्र गोलू से एक दिन के लिए पुस्तक उधार ली। घर जाकर स्ट्रीट लाइट के नीचे रात भर बैठकर पूरी किताब की नकल उतार ली। इस बात से पता चलता है कि वे किसी भी प्रकार की बाधा को अपने मार्ग में रुकावट नहीं बनने देते थे।

(घ) शास्त्रीजी का व्यक्तित्व हमें क्या प्रेरणा देता है?

उत्तर– शास्त्रीजी का महान व्यक्तित्व हमें लालच और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर देश हित के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। साथ ही साथ उनके जीवन से यह सीख भी मिलती है कि हमें अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। दृढ़-संकल्प लगन और परिश्रम से हर कठिन कार्य सरल और संभव हो जाता है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) शास्त्रीजी का भविष्य फिर दो राहें पर आकर खड़ा हो गया।"

उत्तर– इस पंक्ति का आशय यह है कि नाना जी की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षा और देखभाल की समस्या फिर से उठ खड़ी हुई।

(ख) शास्त्रीजी देशहित और गरीबों के हित को सर्वोपरि रखते थे।

उत्तर– गरीबी के बीच पले-बढ़े स्वाभिमानी शास्त्रीजी निजी स्वार्थ और लालच से कोसों दूर थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद वे गरीबों और देश के हित को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेते थे।

4. किसने, किससे कहा?

(क) "मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ कि मेरे कारण तुम्हें परेशानी नहीं होगी।"

उत्तर– जब गोलू उन्हें पुस्तक देने में झिझक रहा था, तब शास्त्रीजी ने गोलू से कहा।

(ख) "मेरे घर का दरवाज़ा तुम्हारे लिए सदा खुला है।"

उत्तर– जब गुरुजी ने रेपिड रीडर की हस्त लिखित नकल देखी, तब उन्होंने लाल बहादुर से कहा।

पठित बोध

तब मुझे .... दे दूँगा।"

(क) यह वाक्य किसने, किससे कहा?

उत्तर– यह वाक्य लाल बहादुर ने अपने मित्र गोलू से कहा।

(ख) वह किताब उधार क्यों माँग रहा था?

उत्तर– वह किताब उधार इसलिए माँग रहा था ताकि वह उसकी नकल उतार सके।

(ग) किताब अगले दिन ही वापस करनी क्यों जरूरी थी?

उत्तर– गुरुजी को अगले दिन सभी की पुस्तक का निरीक्षण करना था। पुस्तक न लाने वाले छात्र को सजा मिलती, इसलिए अगले दिन किताब वापस करना ज़रूरी था।

(घ) उसे किताब की नकल करने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

उत्तर– किताब की नकल करने की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि पुस्तक खरीदने के लिए लाल बहादुर के पास पैसे नहीं थे।

भाषा का संसार

समान अर्थ वाले शब्दों को छाँटकर एक साथ लिखिए–

दृढ़ संकल्प	– पक्का इरादा	लोभ	– लालच
रुकावट	– बाधा	सबसे ऊपर	– सर्वोपरि
युद्ध	– संग्राम	आजाद	– स्वतंत्र
असाधारण	– अनोखा	मतलब	– स्वार्थ
सम्मान	– आदर	संकोच	– हिचक

2. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जो साधारण न हो – असाधारण

(ख) जो इतिहास से संबंध रखता हो – ऐतिहासिक

(ग) जो दूर की सोचता हो – दूरदर्शी

(घ) साथ पढ़ने वाला – सहपाठी

(ङ) जहाँ दो राहें मिलती हों – दोराहा

3. वाक्यों में भाववाचक संज्ञाओं को रेखांकित कीजिए–

(क) वे लोभ, लालच, निजी स्वार्थ से ऊपर थे।

(ख) उनमें स्वाभिमान, सच्चाई और देशभक्ति कूट-कूट कर भरी थी।

(ग) हार न मानना जीवन का दूसरा नाम है।

(घ) शास्त्रीजी ने समझदारी और दूरदर्शिता का परिचय दिया।

4. मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) दाँतों तले उँगली दबाना– आश्चर्यचकित होना– ताजमहल की सुंदरता को देखकर पर्यटकों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

(ख) पहाड़ टूट पड़ना– बड़ा संकट आ जाना– माता के देहांत के बाद बालक पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा।

(ग) मुँह-तोड़ जवाब देना– बराबर मुकाबला करना– सैनिकों ने दुश्मन के हमले का मुँह तोड़ जवाब दिया।

(घ) हाथ फैलाना– याचना करना– भिखारी ने पैसे के लिए राहगीर के सामने हाथ फैला दिया।

5. दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए–

आत्म – आत्मनिर्भर, आत्मसम्मान

स्व – स्वाभिमान, स्वतंत्र

निर – निराधार, निराकार

प्रति – प्रतिदिन, प्रतिकार

प्र – प्रभाव, प्रकृति

ध्यान से सुनिए, सूझ-बूझ तथा कल्पना की दुनिया के अभ्यास छात्र स्वयं करेंगे। इस कार्य में अध्यापक आवश्यकतानुसार छात्रों को सहयोग देंगे।

बोलकर बताइए–

छात्र शास्त्री जी के जीवन की अन्य घटनाओं को कक्षा में बोलकर सुनाएँगे। इस कार्य के लिए इंटरनेट पुस्तकालय आदि से जानकारी एकत्र कर सकते हैं।

6. अन्याय का विरोध

शीर्षक– अन्याय का विरोध **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- ➢ आत्मबल और प्रतिरोध की भावना पर बल।
- ➢ अन्याय का सामना करने की क्षमता का विकास।
- ➢ स्पष्टवादिता।
- ➢ भाषायी कौशलों का विकास।
- ➢ समानार्थी, विलोम, अनेकार्थी शब्द, विशेषण तथा प्रश्न निर्माण का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- ➢ पाठ के आरंभ में दी गई 'पाठ से पहले' गतिविधि छात्रों से करवाएँ। तत्पश्चात छात्रों से उस पर चर्चा करें।
- ➢ विषय पर छात्रों के विचार जानें।
- ➢ रूसी लेखक अंतोन चेखव का परिचय देते हुए पाठ आरंभ करें।
- ➢ एनिमेटेड सी. डी. चलाकर पाठ छात्रों को दिखाएँ और सुनवाएँ।
- ➢ कठिन शब्दों के श्यामपट्ट पर लिखें। उनका मानक उच्चारण करें तथा छात्रों से भी करवाएँ। साथ ही शब्दों के अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी बताएँ।
- ➢ सी. डी. बीच में रोककर पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न छात्रों से पूछें।
- ➢ तत्पश्चात स्वयं पाठ का आदर्श वाचन करें और एक-एक अनुच्छेद समझाते जाएँ।
- ➢ संपूर्ण पाठ का आदर्शवाचन करने के पश्चात एक-एक अनुच्छेद छात्रों से भी पढ़वाएँ।
- ➢ पाठ समाप्त होने पर उसके मुख्य भाव/ संदेश पर चर्चा करें।
- ➢ पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास प्रश्नों के उत्तर छात्रों से निकलवाने का प्रयास करें।
- ➢ छात्रों द्वारा दिए गए उत्तरों में यथा-आवश्यक संशोधन करते हुए उचित उत्तर अपनी-अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखने को कहें।
- ➢ आवश्यकतानुसार छात्रों को यथोचित परामर्श दें और समस्त कार्य अपनी निगरानी में करवाएँ।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक जूलिया को क्या सबक सिखाना चाहता था?

उत्तर– लेखक जूलिया को अन्याय का विरोध करने और अत्याचार न सहने का सबक सिखाना चाहता था।

(ख) लेखक ने जूलिया को क्यों बुलाया?

उत्तर– लेखक ने जूलिया को वेतन का हिसाब किताब करने के लिए बुलाया।

(ग) जुलिया लेखक से क्यों खुश थी?

उत्तर– जूलिया लेखक से इसलिए खुश थी क्योंकि लेखक ने वेतन के रूप में उसे ग्यारह रूबल दिए।

(घ) लेखक ने कौन-से छुट्टियों का वेतन काटा?

उत्तर– लेखक ने नौ रविवारों की छुट्टी तथा तीन अन्य छुट्टियों का वेतन काट लिया।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) जूलिया की किन-किन गलतियों के कारण लेखक ने उसका वेतन काटा?

उत्तर– लेखक ने जूलिया का वेतन काटने का कारण उसकी कई गलतियाँ बताईं। लेखक ने कि बताया बारह दिन उसने छुट्टी ली थी। तीन दिन उसके दाँत में दर्द रहा, तो दोपहर के बाद उसे छुट्टी दे दी गई थी। चाय की प्लेट तोड़ने के कारण दो रूबल और काट लिए। कोल्या का ध्यान नहीं रखने के कारण पेड़ पर चढ़ने से उसकी जैकेट फट गई, इसके लिए दस रूबल कट गए। जूलिया लापरवाही के कारण नौकरानी ने वाल्या के जूते चुरा लिए, जिसके लिए लेखक ने पाँच रूबल और काट लिए। दस जनवरी को लेखक ने उसे दस रूबल दिए थे, उसने वह भी काट लिए। लेखक की पत्नी ने जूलिया को तीन रूबल दिए थे, लेखक ने हिसाब करके तीन रूबल और काट दिए।

(ख) "मैं तुम्हें अब तक जितना जान चुका हूँ, उससे मुझसे लगता है कि तुम अपने आप अपने पैसे कभी नहीं माँगोगी"– लेखक की इस बात से जूलिया के विषय में क्या पता चलता है?

उत्तर– लेखक के उपर्युक्त कथन से जूलिया के विषय में यह पता चलता है कि जूलिया एक भीरू और दब्बू स्वभाव की स्त्री थी। उसके साथ कोई कितना भी अन्याय करे, वह कभी उसका विरोध नहीं करती थी। वह मौन रहकर अत्याचार सहन करती जाती थी वह भली बने रहने के लिए सब कुछ चुपचाप सहन कर लेती थी। पिछले मालिकों ने उसके काम के बदले वेतन भी नहीं दिया था, तब भी उसने इसका विरोध नहीं किया।

(ग) जूलिया ने लेखक को धन्यवाद क्यों दिया? इस पर लेखकर को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर– जूलिया ने लेखक को इसलिए धन्यवाद दिया क्योंकि लेखक ने उसे वेतन के रूप में ग्यारह रूबल दिए थे। लेखक को जूलिया के धन्यवाद कहने पर क्रोध इसलिए आया क्योंकि उसने जूलिया के दो महीने के वेतन में से उनचास रुपये जुर्माने के रूप में काट लिए थे। इस बात पर जूलिया ने लेखक का विरोध नहीं किया, बल्कि वह लेखक को धन्यवाद दे रही थी क्योंकि पिछले मालिकों में तो उसे एक रूबल भी नहीं दिया था। लेखक को उसके इस दब्बूपन पर गुस्सा आ रहा था।

(घ) कहानी में छिपे संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– इस कहानी में यह संदेश छिपा है कि मनुष्य को भला बने रहने के लिए भीरू बनना आवश्यक नहीं है। अन्याय और अत्याचार का विरोध सभी को निडर होकर करना चाहिए। मौन रहकर अत्याचार सहने वाला, अत्याचार करने वाले के समान अपराधी होता है। डरपोक और दबाव में आ जाने वाले लोगों का सभी लाभ उठाते हैं। अतः निडर होकर निर्मम और कठोर संसार का सामना करना चाहिए।

3. किसने, किससे, कब कहा?

(क) "जी हाँ! आप कुछ तो दे रहे हैं।"

उत्तर– जूलिया ने लेखक से कहा, जब लेखक ने उसे ग्यारह रूबल दिए।

(ख) "क्या कह रही हो, ठीक दो महीने हुए हैं।"

उत्तर– लेखक ने जूलिया से कहा, जब जूलिया ने लेखक को बताया कि दो महीने पाँच दिन हुए हैं।

4. अर्थ स्पष्ट कीजिए–

(क) उन लोगों ने तुम्हें एक रूबल भी नहीं दिया। जूलिया, मुझे यह सुनकर रंचमात्र भी आश्चर्य नहीं हो रहा।

उत्तर– इन पंक्तियों का आशय है कि जूलिया अपने ऊपर किए जा रहे अन्याय या अत्याचार का विरोध नहीं करती थी। उसके पुराने मालिकों ने इसका लाभ उठाकर उसका सारा वेतन हज़म कर लिया था।

(ख) इनसान भला कहलाने के लिए इतना दब्बू, बोदा और भीरू बन जाए कि उसके साथ जो अन्याय हो रहा है, उसका विरोध तक न करे।

उत्तर– इन पंक्तियों का आशय यह है कि मनुष्य को अच्छा बनने के लिए हरेक परिस्थिति में मौन रहकर सब कुछ सहना आवश्यक नहीं हैं। अन्याय और अत्याचार का विरोध करना भी आवश्यक हैं।

पठित बोध

"उसकी आँखों .... पैसे मिले थे।"

(क) यह वाक्य किसने, किससे कहा?

उत्तर– यह वाक्य जूलिया ने लेखक से कहा।

(ख) उसे किसने, कितने पैसे दिए थे?

उत्तर– उसे लेखक की पत्नी ने तीन रूबल दिए थे।

(ग) किस बात पर उसकी आँखों में आँसू तैर गए?

उत्तर– जब लेखक ने जूलिया से कहा कि उसने दस रूबल पहले भी लिए है, तब यह झूठ सुनकर उसकी आँखों में आँसू आ गए।

(घ) काँपती हुई आवाज़' का क्या अर्थ हैं?

उत्तर– जब कोई अपनी रुलाई रोकते हुए बात करता है, तब उसकी आवाज़ काँप जाती है। जूलिया को लेखक की बात सुनकर रोना आ रहा था, इसलिए उसकी आवाज़ काँप रही थी।

भाषा का संसार

1. दिए गए शब्दों के समानार्थक पाठ से ढूँढ़िए–

भयभीत – भीरू,	वेतन – तनख्वाह
कठोर – निर्मम	हस्ती – अस्तित्व

2. यहाँ शब्द मिल गए हैं। परस्पर विलोम अर्थ देने वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए–

न्याय	– अन्याय	कोमल	– कठोर
जड़	– चेतन	उत्थान	– पतन
विनम्रता	– क्रूरता	निडर	– डरपोक
आदर	– निरादर		

3. दिए गए विशेषण शब्दों के भेद बताइए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

	विशेषण	भेद	वाक्य
(क)	क्रूर	– गुणवाचक	औरंगजेब क्रूर शासक था।
(ख)	दब्बू	– गुणवाचक	जीवन दब्बू स्वभाव का लड़का है।
(ग)	सत्ताईस	– निश्चित संख्यावाचक	मैंने सत्ताईस पृष्ठों की कहानी लिखी है।
(घ)	थोड़ा-सा	– अनिश्चित परिमाणवाचक	मीनाक्षी ने थोड़ा-सा काम छोड़ दिया।
(ङ)	कीमती	– गुणवाचक	समय बहुत कीमती है, इसे व्यर्थ मत गँवाओ।

4. नीचे पाठ में आए कुछ भिन्नार्थक शब्द दिए गए हैं उनका प्रयोग वाक्यों में कीजिए–

(क)	जान –	जानना	– सुमित सारे भेद जान चुका था।
		प्राण	– साँप को सामने देखकर मेरी जान ही निकल गई।
(ख)	घटा –	बादल	– आकाश में काली घटा छा गई।
		कम करना	– सत्ताईस में से बारह अंक घटा दो।
(ग)	स्वर –	आवाज़	– मीनल ने नीता को ऊँचे स्वर में पुकारा।
		वर्ण	– हिंदी वर्णमाला में ग्यारह स्वर हैं।
(घ)	नोट –	रुपये	– यात्री की जेब से कुछ नोट गिर गए।
		कुछ लिखना	– अध्यापक द्वारा कही गई बातों को मैंने नोट कर लिया।

5. नीचे कुछ उत्तर दिए गए हैं, उनके लिए प्रश्न लिखिए–

प्रश्न– तुम्हें किसने पैसे दिए थे?

उत्तर– मुझे आपकी पत्नी ने कुछ पैसे दिए थे।

प्रश्न– किसकी नज़र बचाकर कौन पेड़ पर चढ़ गया?

उत्तर– तुम्हारी नज़र बचाकर कोल्या पेड़ पर चढ़ गया।

प्रश्न– मुझे धन्यवाद क्यों दे रही हो?

उत्तर– आपने मुझे कुछ पैसे दिए इसके लिए धन्यवाद दे रही हूँ।

प्रश्न– मेरा वेतन कितने रुपये तय हुआ था?

उत्तर– तुम्हारा वेतन तीस रुपये तय हुआ था।

अपठित अवबोधन

दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

हमारे देश .... मनाया जाता है।

(क) 'बाल दिवस' कब मनाया जाता है?

उत्तर– चौदह नवंबर को

(ख) पं० जवाहर लाल नेहरू को कौन सबसे अधिक प्रिय था?

उत्तर– बच्चे

(ग) पं० जवाहर लाल नेहरु को बच्चे क्या कहकर संबोधित करते थे।

उत्तर– चाचा

(घ) 'फूल' के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– सुमन, पुष्प

(ङ) पं० जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन किस रूप में मनाया जाता है?

उत्तर– बाल दिवस

'सूझ-बूझ' तथा 'कल्पना की दुनिया' छात्र स्वयं करेंगे।

7. कैसे कहूँ, तुम कैसी हो

शीर्षक– कैसे कहूँ तुम कैसी हो **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- मातृ-प्रेम, करुणा, स्नेह, त्याग, आदि मुल्यों पर बल देना।
- माता-पिता के प्रति आदर भाव जगाना।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- शब्द-निर्माण, उपसर्ग, अलंकार समानार्थी शब्दों का अभ्यास कराना।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर आदि।

शिक्षण-संकेत–

- अध्यापक छात्रों से उनकी माँ के विषय में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। जैसे– माँ हमारे लिए क्या -क्या करती है? चोट लगने पर मुख से किसका नाम निकलता है? बीमार होने पर हमारा ध्यान कौन रखता है? आदि।
- एनिमेटेड सी. डी. दिखाएँ। बच्चों को कविता ध्यान से सुनने और देखने के लिए कहें।
- सुनी गई कविता के विषय में कुछ प्रश्न पूछकर छात्रों की श्रवण-योग्यता का स्तर जानने का प्रयास करें।
- अब स्वयं कविता का आदर्श वाचन करें और एक-एक अनुच्छेद का भाव समझाते जाएँ।
- संपूर्ण कविता का पठन-पाठन करने के बाद छात्रों से अनुकरण वाचन करवाएँ।
- पहले सामूहिक वाचन फिर पृथक-पृथक करें
- एक-एक अनुच्छेद का लयात्मक वाचन करवाएँ।
- तत्पश्चात् कविता में निहित भाव पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत कविता में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें और आवश्यकतानुसार संशोधन करते हुए उत्तर पुस्तिका में अभ्यास करवाएँ।
- प्रयास करें कि छात्र अभ्यास प्रश्न स्वयं करें।
- लेखक कार्य करवाते समय छात्रों की लिखाई और वर्तनी पर ध्यान रखें और आवश्यकतानुसार निर्देश दें।

कविता का भाव

माँ के विषय में कुछ कहना सरल नहीं है। संपूर्ण सृष्टि में माँ के समान कोई नहीं है। ब्रह्मा इस सृष्टि की रचना करते हैं, परंतु माँ उसकी रचना को पालती-पोसती है। भगवान शिव जब विनाश करते हैं, जब संपूर्ण सृष्टि का विनाश कर डालते हैं, परंतु माँ केवल दुख-दर्द ही हरती है। संपूर्ण सृष्टि में कोई भी ऐसा नहीं है, जिससे माँ की तुलना की जा सके। सभी देवी-देवता भक्ति भाव के भूखे हैं। माँ की ममता की तुलना में

सब नीरस से लगते हैं। माँ अपने सभी बच्चों को समान रूप से स्नेह करती है। माँ की करुणा और स्नेह के सामने सब कुछ तुच्छ लगता है। जिसके मन में जैसी भावना होती हैं, माँ उसे वैसी ही दिखाई देती है। अपने बच्चे की छोटी-सी पीड़ा भी उसे बहुत व्याकुल कर देती है। अपने बच्चे की प्रेम से भोजन खिला कर ही वह तृप्त हो जाती है। समय के साथ सब बदल जाते हैं परंतु माँ कभी नहीं बदलती। माँ केवल माँ के समान ही होती है। उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) कवि माँ की तुलना क्यों नहीं कर पा रहा?

उत्तर– कवि माँ की तुलना किसी से नहीं कर पा रहा क्योंकि उसे संपूर्ण सृष्टि में माँ के समान कोई और दिखाई नहीं देता।

(ख) माँ की तुलना में सब रूखे क्यों लगते हैं?

उत्तर– माँ की तुलना में सभी रूखे इसलिए हैं क्योकि माँ के जैसी ममता और स्नेह किसी में नहीं है।

(ग) माँ किन परिस्थितियों में सबके लिए एक जैसी रहती हैं?

उत्तर– कोई माँ की भक्ति करे या उसे सताए माँ दोनों ही स्थितियों में समान रूप से अपना स्नेह लुटाती रहती है।

(घ) माँ भूखी क्यों रह जाती है?

उत्तर– अपने बच्चे को भोजन करके तृप्त होते हुए देखकर माँ का पेट भर जाता है वह दूसरों को भोजन कराते समय अपने भोजन का ध्यान नहीं रखती, इसलिए कई बार वह भूखी ही रह जाती है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कवि को माँ के सामने यह संसार भी छोटा क्यों लगता है?

उत्तर– इस सृष्टि को बनाने वाले ब्रह्मा केवल मनुष्य की रचना करते हैं, परंतु माँ अपनी रचना का पालन-पोषण भी करती है। शिव जब विनाश करने पर आते हैं, तब वे सृष्टि का विनाश कर देते हैं, परंतु माँ अपनी संतान के कष्टों का विनाश करती है। ज्ञानी व्यक्ति बुद्धि और देवता भक्ति के भूखें हैं, परंतु माँ बिना किसी अपेक्षा के अपनी ममता लुटाती है। वह करुणा और त्याग की मूर्ति है। इसलिए कवि को इस माँ की तुलना में सारा संसार छोटा लगता है।

(ख) संसार के बदलने पर भी माता का स्वरूप कैसा बना रहता है? क्यों?

उत्तर– समय के साथ-साथ संसार में सब कुछ बदल जाता है, परंतु माँ का स्नेह सदा एक समान बना रहता है। उसमें कोई बदलाव नहीं होता। वह अपनी संतान को सदैव स्नेह करती है। वह अपनी संतान की गलतियों को भी सरलता से क्षमा कर देती हैं, क्योंकि माँ के समान करुणामय और ममता से परिपूर्ण इस संपूर्ण सृष्टि में कोई और नहीं है।

3. भाव स्पष्ट कीजिए–

(क) 'तुम चुन-चुन पीड़ा हरती हो।"

भावार्थ– इस पंक्ति में कवि ने माँ के विषय में यह कहा है कि माँ अपने बालक पर कोई कष्ट नहीं आने देती। वह उसके सभी कष्टों को एक-एक करके दूर कर देती है।

(ख) "जाकी रही भावना जैसी, मूरत देखी तिन्ह तैसी हो।"

भावार्थ– जिस प्रकार ईश्वर की आराधना करने वाले व्यक्ति को उसके मन की भावना के अनुरूप ईश्वर दिखाई देता है, बिल्कुल वैसे ही मन की भावनाओं के अनुरूप माँ भी दिखाई देती है।

(ग) कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए

उत्तर– भावार्थ पहले दिया गया है।

पठित बोध

निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

कितनी गहरी .... करुणा-सागर।

(क) करुणा की गागर किसे कहा गया है?

उत्तर– करुणा की गागर माँ को कहा गया है।

(ख) करुणा की गागर को अद्‌भुत क्यों कहा गया है?

उत्तर– करुणा की गागर को अद्‌भुत इसलिए कहा गया है, क्योंकि उसकी करुणा अपार है।

भाषा का संसार

1. वर्णों का क्रम सही करके उचित शब्द बनाइए–

उलझन आकुलता बिलकुल

अद्‌भुत तुलना

2. उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो शब्द के आगे जुड़कर एक नया शब्द बनाते हैं। उन शब्दांशों पर ✓ का निशान लगाइए, जिसे दिए गए शब्द के आगे जोड़े तो विलोम शब्द बन जाए–

(क) आदर – अन (ख) मान– अप

(ग) जय – परा (घ) ज्ञान– अ

(ङ) यश – अप (च) दोष– निर्

3. पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार के कुछ वाक्य एकत्र कीजिए तथा नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) जा-जाकर – मनीष सबके घर जा-जाकर बुलावा देने लगा।

(ख) चुप-चुप – अचानक काव्या चुप-चुप सी रहने लगी।

(ग) बातों-बातों में – प्रभाकर ने बातों-बातों में विशाल के सभी भेद जान लिए।

4. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

सफ़ेद	चिकना	काला	मुलायम	गहराई
ठंडा	कठोर	चंचलता	हलका	गहरा

(क) तेल-सा हलका (ख) दूध-सा सफ़ेद

(ग) रुई-सा मुलायम (घ) बर्फ़-सा ठंडा

(ङ) सागर-सा गहरा (च) झील-सी गहराई

(छ) कोयले-सा काला (ज) मक्खन-सा चिकना

(झ) नदी-सी चंचलता (ञ) चट्टान-सा कठोर

'ध्यान से सुनिए', 'सूझ-बूझ/जीवन कौशल', 'कल्पना की दुनिया' और 'आइए कुछ नया करें' इन अभ्यास एवं गतिविधियों छात्र स्वयं करेंगे। अध्यापिका छात्रों को यथोचित सहयोग व परामर्श दें।

8. कलाकार की खोज

शीर्षक– कलाकार की खोज **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्‌देश्य–

- ➢ परिश्रम करने के लिए प्रेरित करना।
- ➢ आत्मविश्वास बढ़ाना।
- ➢ सकारात्मक दृष्टिकोण पर बल।
- ➢ भाषायी कौशलों का विकास।

सहायत सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी., कंप्यूटर आदि।

शिक्षण संकेत–

- ➢ अध्यापक/ अध्यापिका छात्रों से उनकी रुचि के विषय में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। छात्रों से पाठ में दिए गए 'पाठ से पहले' करने के लिए कहें। तत्पश्चात उसके विषय में छात्रों के विचार जानें।
- ➢ एनिमेटेड सी. डी. दिखाएँ। बच्चों को कविता ध्यान से सुनने और देखने के लिए कहें।
- ➢ सुनी गई कविता के विषय में कुछ प्रश्न पूछकर छात्रों की श्रवण-योग्यता का स्तर जानने का प्रयास करें।
- ➢ अब स्वयं कविता का आदर्श वाचन करें और एक-एक अनुच्छेद का भाव समझाते जाएँ।
- ➢ संपूर्ण कविता का पठन-पाठन करने के बाद छात्रों से अनुकरण वाचन करवाएँ।
- ➢ पहले सामूहिक वाचन फिर पृथक-पृथक करें
- ➢ एक-एक अनुच्छेद का लयात्मक वाचन करवाएँ।
- ➢ तत्पश्चात् कविता में निहित भाव पर चर्चा करें।
- ➢ इसके उपरांत कविता में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें और आवश्यकतानुसार संशोधन करते हुए उत्तर पुस्तिका में अभ्यास करवाएँ।
- ➢ प्रयास करें कि छात्र अभ्यास प्रश्न स्वयं करें।
- ➢ लेखक कार्य करवाते समय छात्रों की लिखाई और वर्तनी पर ध्यान रखें और आवश्यकतानुसार निर्देश दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) अध्यापिका किन कार्यक्रमों की सूची बना रही थी?

उत्तर– अध्यापिका वार्षिकोत्सव के कार्यक्रमों की सूची बना रही थीं।

(ख) अध्यापिका की बात सुनकर सार्थक हैरान क्यों हो गया?

उत्तर– जब अध्यापिका ने सार्थक को दल का नेता बनाने और कला प्रदर्शनी के लिए काम करने को कहा, तब सार्थक हैरान रह गया क्योंकि वह सोच रहा था कि अध्यापिका ने उसे कठोर दंड देने के लिए बुलवाया है।

(ग) आस्था ने सार्थक से क्या पूछा?

उत्तर– आस्था ने सार्थक से टोकरी में रंग भरने के विषय में सलाह माँगी।

(घ) अंडों पर रंग न लगे, इसके लिए सार्थक ने क्या किया?

उत्तर– अंडों पर रंग न लगे, इसके लिए सार्थक ने उन्हें कागज से ढँक दिया।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) सार्थक की तुलना किसके साथ की जाती थी और क्यों?

उत्तर– सार्थक की तुलना उसकी बड़ी बहन के साथ की जाती थी क्योंकि वह एक अच्छी और समझदार लड़की थी। उसने कभी कोई गलत काम नहीं किया था। इसके विपरीत सार्थक विद्यालय से संबंधित किसी भी कार्य में कोई रुचि नहीं दिखाता था। सभी विषयों में उसके कम अंक आते थे।

(ख) कक्षा अध्यापिका को अन्य अध्यापक– अध्यापिकाओं ने सार्थक को कार्य सौंपने से मना क्यों किया?

उत्तर– कक्षा अध्यापिका को अन्य शिक्षकों ने दबे स्वर में सार्थक को कार्य सौंपने से रोका क्योंकि उन्हें लग रहा था कि शायद सार्थक ठीक ढंग से कार्य न कर पाए। यदि कार्य अच्छा नहीं होता, तो स्कूल का नाम खराब होता। परंतु श्रीमती अमृता ने उनकी कोई परवाह न करते हुए सार्थक को कला प्रदर्शनी का नेता बना दिया।

(ग) अध्यापकों और बच्चों द्वारा चित्रकारी देखते समय सार्थक साँस रोककर क्यों खड़ा था?

उत्तर– जब सभी अध्यापक और छात्र चित्रकला प्रदर्शनी देख रहे थे, तब सार्थक अपना दम साधे खड़ा हुआ था क्योंकि वह मन-ही-मन में डर रहा था कि उन सबको उसका काम पसंद आएगा या नहीं। यदि वह थोड़ी और मेहनत करता, या कोई अन्य रंग चित्रों में भरता, तो शायद उसका काम और अच्छा होता।

(घ) सार्थक के माता-पिता के चेहरे क्यों खिल उठे?

उत्तर– प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि और अन्य लोगों ने सार्थक के चित्र देखे और प्रशंसा की। उसके माता-पिता ने जब सबको तालियाँ बजाते और उनके बेटे की प्रशंसा करते देखा तो दोनों के चेहरे चमक उठे। वे भी अपने बेटे के द्वारा बनाए गए चित्रों को बड़े गर्व से देख रहे थे।

(ङ) प्रस्तुत कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर– इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर कुछ गुण छिपे हुए हैं। सही अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर सभी अपने भीतर छुपी हुई कला को निखार सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं। केवल अच्छे अंक प्राप्त करना ही किसी की सच्ची योग्यता का प्रमाण नहीं है।,

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) "इतनी कोशिश तो करता हूँ, पर पिता जी नहीं समझेंगे।"

उत्तर– इस पंक्ति आशय यह है कि सार्थक अपनी क्षमता के अनुसार अच्छे अंक लाने का प्रयास तो करता था, परंतु पढ़ाई में उसकी अधिक रुचि नहीं थी, इसलिए अच्छे अंक नहीं ला पाता था। उसके पिता इस बात को शायद नहीं समझ पाते।

(ख) "वह कार्टून की काल्पनिक दुनिया की सैर करने लगा।"

उत्तर– जब अध्यापिका कार्यक्रम के लिए बच्चों का चुनाव कर रही थीं, तब सार्थक की रुचि उस ओर बिल्कुल भी नहीं थी, इसलिए वह अपने कल्पना-लोक की सैर करने लगा और कार्टूनों के विषय में सोचने लगा।

(ग) "आखिर मैंने अच्छा काम कर ही लिया।"

उत्तर– सार्थक अपनी बड़ी बहन की तरह अच्छा काम करना चाहता था। जब उसके चित्र देखकर सभी ने तालियाँ बजाई और उसकी प्रशंसा की, तब उसे लगा कि आखिर उसने भी प्रशंसा पाने योग्य अच्छा काम कर ही लिया।

4. किसने, किससे, कब कहा?

(क) "टोकरी में कौन-सा रंग भरना हैं?"

उत्तर– आस्था ने सार्थक से पूछा। जब वह प्रदर्शनी के लिए सार्थक की मदद कर रही थी, तब कहा।

(ख) "मैंने इतने सुंदर, कलात्मक तथा सच्चे चित्र नहीं देखे।"

उत्तर– अध्यापिका ने सार्थक से कहा। जब वह प्रदर्शनी के लिए उसके द्‌वारा बनाए गए चित्र देख रही थी।

पठित बोध

"तुम्हें जितनी .... कर सकते हो।"

(क) यह कौन किससे कह रहा है?

उत्तर– यह वाक्य पिताजी सार्थक से कह रहे हैं।

(ख) कोशिश करने पर क्या अच्छा हो सकता है?

उत्तर– कोशिश करने पर सार्थक अच्छे अंक ला सकता है।

(ग) कोशिश की समानार्थी शब्द लिखिए– प्रयास

भाषा का संसार

1. समानार्थी शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

बदलाव – परिवर्तन	योग्यता – प्रतिभा	मस्तिष्क – दिमाग
देखना – निहारना	जोश – उत्साह	देखना – निहारना

2. सही वर्तनी पर ✓ लगाइए–

1.	कोशिश	(✓)	कोशीश	(✗)
2.	सक्सम	(✗)	सक्षम	(✓)
3.	वार्षिकोत्सव	(✓)	वारषीकोत्सव	(✗)
4.	श्रीमति	(✗)	श्रीमती	(✓)
5.	कार्यक्रम	(✓)	कारयकर्म	(✗)
6.	प्रदर्शिनी	(✗)	प्रदर्शनी	(✓)
7.	दुनिया	(✓)	दुनियाँ	(✗)
8.	विस्वास	(✗)	विश्वास	(✓)

3. नीचे दिए गए शब्दों को सही स्थान पर लिखिए–

तत्सम	तद्‌भव	देशज	आगत
मित्र	काम	लोटा	किताब
माता	भाई	डिबिया	नकल
पुस्तक	प्यास	टाँग	चाबी

4. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

(क) स्व + इच्छा = स्वेच्छा

(ख) गण + ईश = गणेश

(ग) महा + इंद्र = महेंद्र

(घ) लोक + उक्ति = लोकोक्ति

(ङ) गंगा + उत्सव = गंगोत्सव

(च) उमा + ईश = उमेश

5. इस पाठ में चार वाक्य छाँटकर लिखिए, जिनमें क्रिया -विशेषण शब्दों का प्रयोग हुआ हो–

(क) वह खुशी-खुशी अपनी कक्षा में चला गया।

(ख) अध्यापक- अध्यापिकाओं ने दबे स्वर में मना किया।

(ग) सार्थक ने सावधानी से अंडों को ढँक दिया।

(घ) वे एकटक उन चित्रों को देखते रहे।

अपठित अवबोधन

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) जीवन के आरंभ से ही मनुष्य किस पर निर्भर रहा हैं?

उत्तर– वृक्षों पर

(ख) चीनी उद्‌योग किस पर आधारित है?

उत्तर– गन्ने पर

(ग) वृक्ष से हमें क्या मिलता हैं?

उत्तर– फल, फूल, रबड़, कागज़, माचिस, उद्योगों के लिए कच्चा माल, शुद्ध हवा आदि मिलते हैं।

(घ) 'आरंभ' का विलोम लिखिए–

उत्तर– अंत

कल्पना की दुनिया, सोचकर बताइए, बोलकर बताइए तथा खेल-खेल में आदि छात्र स्वयं करेंगे। अध्यापिका/ अध्यापक छात्रों को यथोचित सहयोग एवं परामर्श देते हुए यह कार्य करवाएँ।

9. वरदान या शाप

शीर्षक– वरदान या शाप **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- बालमन की शरारतों से सबक सीखना।
- खेलकूद और स्वास्थ्य पर बल।
- पढ़ाई के प्रति रुचि जगाना।
- नैतिक मूल्यों पर बल देना।
- उपसर्ग-प्रत्यय, संज्ञा, क्रिया, काल तथा विराम चिह्न आदि का अभ्यास।
- भाषायी कौशलों का विकास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' छात्रों से करवाएँ तथा उसके संबंध में छात्रों के साथ चर्चा करे और उनके विचार जानें।
- प्रसिद्ध बांग्ला साहित्यकार रवींद्रनाथ टैगोर के जीवन से संबंधित जानकारी देते हुए पाठ का परिचय दें।
- एनिमेटेड सी. डी. दिखाएँ। बच्चों को कविता ध्यान से सुनने और देखने के लिए कहें।
- सुनी गई कविता के विषय में कुछ प्रश्न पूछकर छात्रों की श्रवण-योग्यता का स्तर जानने का प्रयास करें।
- अब स्वयं कविता का आदर्श वाचन करें और एक-एक अनुच्छेद का भाव समझाते जाएँ।
- संपूर्ण कविता का पठन-पाठन करने के बाद छात्रों से अनुकरण वाचन करवाएँ।
- पहले सामूहिक वाचन फिर पृथक-पृथक करें
- एक-एक अनुच्छेद का लयात्मक वाचन करवाएँ।
- तत्पश्चात् कविता में निहित भाव पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत कविता में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें और आवश्यकतानुसार संशोधन करते हुए उत्तर पुस्तिका में अभ्यास करवाएँ।
- प्रयास करें कि छात्र अभ्यास प्रश्न स्वयं करें।
- लेखक कार्य करवाते समय छात्रों की लिखाई और वर्तनी पर ध्यान रखें और आवश्यकतानुसार निर्देश दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) सुशील और सुबल के मन में क्या इच्छा थी?

उत्तर– सुशील अपने पिता की तरह बड़ा बनना चाहता था और सुबल चाहता था कि उसका बचपन वापस लौट आए।

(ख) सुशील शाम को क्या देखने वाला था?

उत्तर– सुशील शाम को आतिशबाज़ी देखने जाने वाला था।

(ग) सुशील के कपड़े उसके शरीर में क्यों फँस गए?

उत्तर– सुशील जब सो कर उठा तब उसके शरीर का आकार बड़ा हो चुका था, इसलिए उसके शरीर पर कपड़े फँस गए।

(घ) बड़े सुशील को देखकर बच्चे क्यों भाग जाते थे?

उत्तर– बूढ़े सुशील को अपने साथ खेलने के लिए आता देखकर सभी बच्चे वहाँ से भाग जाते थे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) सुशील पाठशाला क्यों नहीं जाना चाहता था?

उत्तर– सुशील को पाठशाला जाना अच्छा नहीं लगता था। स्कूल, बस्ते, किताबों और अध्यापकों से उसका मन ऊब गया था। गणित विषय उसे नापसंद था और परीक्षा से उसे भय लगता था। प्रतिदिन सुबह उठकर वह यही प्रार्थना करता था कि पाठशाला की छुट्टी हो जाए, तो बहुत अच्छा हो।

(ख) पिता और पुत्र अपने जीवन से संतुष्ट क्यों नहीं थे?

उत्तर– पिता को लगता था कि वह बचपन में पढ़ नहीं सका। यदि उसका बचपन वापस आ जाए तो वह मन लगाकर पढ़ना चाहता था। पुत्र प्रतिदिन पाठशाला जाने से बचना चाहता था और बड़ा होकर पिता की तरह बनना चाहता था। वह अपनी इच्छा के अनुसार काम करना और जीवन जीना चाहता था। इसलिए दोनों अपने जीवन से सुतुष्ट नहीं थे।

(ग) अपने पिता के शरीर में आकर सुशील प्रसन्न क्यों नहीं था?

उत्तर– अपने पिता के शरीर में आकर सुशील का शरीर शिथिल हो गया था। पेड़ पर चढ़ने और फल तोड़ने की इच्छा नहीं होती थी। तालाब में तैरने से बुखार आ जाने का डर था। उसे ठंड लग जाती थी। सारे शरीर में दर्द रहता था। बच्चे भी अब उसके साथ नहीं खेलते थे, इसलिए वह प्रसन्न नहीं था।

(घ) सब सुशील का मज़ाक क्यों उड़ाते थे?

उत्तर– सुशील यह भूल जाता था कि अब वह अपने पिता के शरीर में है। अब भी वह नाच, कठपुतली का तमाशा देखना, कंकड़ मार कर घड़ा तोड़ना पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ना खेत से घुसकर खरबूज़ा चुराना आदि जैसी शरारतें करता था। उसे ऐसा करते देखकर सब सुशील का मज़ाक उड़ाते थे।

(ङ) इस नाटक से क्या शिक्षा मिलती है? लिखिए

उत्तर– इस नाटक से यह शिक्षा मिलती है कि हमारे पास जो है हमें उसी में संतुष्ट रहना चाहिए। जैसी भी परिस्थिति हो, हमें उसे खुशी-खुशी स्वीकार करना चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि जो दूसरे के पास है, वह हमारे अनुकूल हो। जीवन में प्रत्येक अवस्था का महत्तव होता है।

3. किसने, किससे, कब कहा?

(क) "इसे हल करने में ही घंटों लग जाएँगे।

उत्तर– बालक सुबल ने पिता सुशील से कहा। जब सुशील ने उसे सवाल हल करने को कहा।

(ख) "जा भाग, बच्चों के साथ खेल।"

उत्तर– एक वृद्ध ने बालक सुबल से कहा। जब वह उनके साथ ताश खेलने जा पहुँचा तब कहा।

पठित बोध

"बूढ़ा हो गया पर शर्म नहीं आती। चोरी करता हैं?"

(क) यह वाक्य किसने, किससे से कहा।

उत्तर– माली ने पिता सुशील से कहा।

(ख) श्रोता ने क्या चुराया था?

उत्तर– उसने खेत से खरबूज़ा चुराया था।

(ग) उसने ऐसा क्यों किया था?

उत्तर– उसे चोरी करके फल खाना अच्छा लगता था, इसलिए उसने ऐसा किया।

(घ) 'बूढ़ा' और 'शर्म' का पर्याय लिखिए–

बूढ़ा – वृद्ध   शर्म – लज्जा

सोचकर बताइए–

प्रश्न– क्या होता यदि सुशील और सुबल को इच्छा देवी दोबारा न मिलती?

उत्तर– यदि सुशील और सुबल को इच्छा देवी दोबारा न मिलती, तो दोनों को एक दूसरे के शरीर में रहकर ही जीवन व्यतीत करना पड़ता। बालक बूढ़े का जीवन बिताता और बूढ़ा बालक बन कर ही रहता। दोनों ही अप्रसन्न और असंतुष्ट रहते।

भाषा का संसार

1. पाठ में आए अरबी-फ़ारसी शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए–

मज़ा	=	आनंद	मरज़ी	=	इच्छा	रोज़-रोज़	=	प्रतिदिन
ज़बरदस्ती	=	अत्याचार	कमज़ोर	=	दुर्बल	दरवाज़ा	=	द्वार
ज़रूरत	=	आवश्यकता	गायब	=	अदृश्य			
हज़म	=	पचना	मखौल	=	उपहास			

2. दिए गए शब्दों में उपसर्ग/प्रत्यय जोड़कर दो-दो शब्द बनाइए।

इच्छा = अनिच्छा, स्वेच्छा   बल = बलवान, बलवती

फल = सफल, निष्फल   जन = सज्जन, दुर्जन

3. दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटिए और उनके भेद भी लिखिए–

(क) आज पाठशाला जाने की आवश्यकता नहीं है।
संज्ञा = पाठशाला, आवश्यकता   भेद = जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा

(ख) उधर सुबल की मुसीबतें बढ़ती जा रही थीं।
संज्ञा = सुबल, मुसीबतें   भेद = व्यक्तिवाचक, भाववाचक

(ग) सुशील बस्ता लेकर पाठशाला चल दिया।
संज्ञा = सुशील, बस्ता, पाठशाला   भेद = व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, जातिवाचक

(घ) चलो, बैठकर गणित के सवाल हल करो।
संज्ञा = गणित, सवाल   भेद = व्यक्तिवाचक, जातिवाचक

(ङ) आज उसकी सुस्ती और दाढ़ी-मूँछ गायब थी।
संज्ञा = सुस्ती, दाढ़ी-मूँछ   भेद = भाववाचक, जातिवाचक

4. क्रिया-पद छाँटिए और काल भी लिखिए–	**क्रियापद**	**काल**
(क) मैं दिन भर घूमता रहूँगा।	घूमता रहूँगा	भविष्यत काल
(ख) सुशील चादर ओढ़कर लेट जाता है।	ओढ़कर लेट जाता है।	वर्तमान काल
(ग) मेरे माता-पिता मुझे कितना प्यार करते थे।	करते थे	भूतकाल
(घ) मेरा उत्साह कहाँ चला गया?	चला गया	भूतकाल
(ङ) उहूँ! इसमें आज कोई रस नही हैं।	नहीं हैं	वर्तमान काल

5. उचित विराम-चिह्न लगाकर वाक्य दोबारा लिखिए–

(क) अरे यह मैंने क्या कर दिया
अरे! यह मैंने क्या कर दिया?

(ख) सुशील आज पाठशाला नहीं जाओगे
सुशील, आज पाठशाला नहीं जाओगे?

(ग) सोचता था जब बचपन लौट आएगा तब जरा भी समय नष्ट नहीं करूँगा।
सोचता था, जब बचपन लौट आएगा, तब ज़रा भी समय नष्ट नहीं करूँगा।

(घ) हे प्रभु मुझे किस मुसीबत में डाल दिया
हे प्रभु! मुझे किस मुसीबत में डाल दिया?

(ङ) पिताजी मेरी पुस्तक खो गई हैं
पिताजी, मेरी पुस्तक खो गई है।

ध्यान से सुनिए, कल्पना की दुनिया और खेल-खेल में गतिविधि अध्यापकों के सहयोग एवं परामर्श से छात्र स्वयं करेंगे।

10. शीशे से झाँकता कोई

शीर्षक– शीशे से झाँकता कोई **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- आत्मविश्लेषण करना।
- परस्पर प्रेम और सहयोग की भावना जगाना।
- सद्व्यवहार तथा सद्विचार पर बल।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- उपसर्ग, सर्वनाम तथा वचन का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' छात्रों से करवाएँ तथा उसके संबंध में छात्रों के साथ चर्चा करे और उनके विचार जानें।
- प्रसिद्ध कवि श्री राम नरेश त्रिपाठी के जीवन से संबंधित जानकारी देते हुए कविता का परिचय दें।
- एनिमेटिड सी. डी. चलाकर छात्रों को कविता दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- सी. डी. बीच में रोककर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- कविता में आए कठिन शब्द श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनका शुद्ध उच्चारण करते हुए छात्रों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- तत्पश्चात् कविता का उचित लय-ताल सहित आदर्श वाचन करें। कविता का भाव समझाएँ।
- अब छात्रों से पूरी कविता सुनाने को कहें।
- आवश्यकतानुसार संशोधन करें।
- श्यामपट्ट पर कठिन शब्द लिखकर उनका शुद्ध उच्चारण करें तथा छात्रों से भी करवाएँ।
- कविता पर आधारित अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें। आवश्यकतानुसार संशोधन करें।
- शब्द अर्थ बताएँ व लिखवाएँ।
- कविता पर आधारित चित्र रचना भी करवा सकते हैं।
- कविता पर आधारित सभी अभ्यास प्रश्न छात्रों से उत्तर-पुस्तिका में लिखवाएँ।

भावार्थ–

एक धनवान व्यक्ति ने शानदार महल बनवाया। उसमें चारों ओर शीशे ही शीशे लगे थे। एक दिन उस महल में एक कुत्ता घुस गया। जब उसने शीशे में देखा, तो उसे चारों ओर सैकड़ों कुत्ते दिखाई देने लगे। वह जो भी हरकत करता, शीशे में दिखाई देने वाले उसके प्रतिबिंब भी उसकी नकल करते दिखाई देते। उसे लग रहा

था कि उसे दुश्मनों ने घेर लिया है, परंतु वह नहीं जानता था कि शीशे में झुंझलाती घूरती हुई आकृतियाँ उसी की हैं। वह निरंतर भौंकता रहा। यह संसार भी उसी शीशे के महल के समान है। यदि हम भले हैं, तो सब भले दिखते हैं, यदि मनुष्य बुरा है, तो उसे सभी बुरे दिखाई देते हैं।

यदि अपनी शक्ल बिगाड़ोगे तो शीशे में तुम्हें वही देखनी पड़ेगी। अतः हम सबके अच्छा व्यवहार करना चाहिए, ताकि सभी हमारे साथ भी अच्छा व्यवहार करें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) कुत्ता क्रोधित क्यों हो रहा था?

उत्तर– महल में लगे शीशों में उसे सैंकड़ों कुत्ते दिखाई दे रहे थे। उन्हें देखकर वह क्रोधित हो रहा था।

(ख) अंत में उसकी क्या दशा हुई?

उत्तर– वह तब तक भौंकता रहा, जब तक उसके शरीर में प्राण थे। वह भौंकते-भौंकते मर गया।

(ग) आदमी ने कैसा महल बनवाया?

उत्तर– आदमी ने शानदार महल बनवाया। जिसमें चारों ओर शीशे लगे हुए थे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) शीशे में अपना प्रतिबिंब देखकर कुत्ते की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर– शीशे में अपना प्रतिबिंब देखकर वह बेचैन हो गया। वह अपने सैकड़ों प्रतिबिंबों को कभी घूरकर देखता, तो कभी मुख फाड़कर देखता। उन्हें अपनी नकल करता देख कर वह झुंझला उठा। गुस्से में आकर भौंकने लगा और जब तक उसके शरीर में प्राण थे, तब तक वह भौंकताा ही रहा।

(ख) उसे शीशे में अपना प्रतिबिंब दुश्मनों की चाल क्यों लग रहा था?

उत्तर– शीशे में चारों ओर सैकड़ों प्रतिबिंब दिखाई दे रहे थे, जिन्हें देखकर उसे लगा कि शायद दुश्मनों ने उसे चारों ओर से घेर लिया है। शीशे में दिखाई दे रहे प्रतिबिंब भी उसी के समान क्रोधित दिखाई दे रहे थे, मानो वे उस पर हमला करने को तैयार थे।

(ग) कवि ने शीशे के महल की तुलना किससे की है और क्यों?

उत्तर– कवि ने शीशे के महल की तुलना इस संसार से की है। शीशे में हमें अपनी शक्ल वैसी ही दिखाई देती है, जैसी कि वास्तव में होती है। उसी प्रकार संसार भी एक दर्पण के समान है। मनुष्य जैसा होता है, उसे संसार भी वैसा ही दिखाई देता है।

(घ) कविता से क्या सीख मिलती है?

उत्तर– कविता से यह सीख मिलती है कि हमें सबके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। हम दूसरों के साथ जैसा करेंगे, वैसा ही व्यवहार हमारे साथ किया जाएगा। यह संसार भले के लिए भला और बुरे के लिए बुरा है।

3. भावार्थ लिखिए–

(क) वह न था कमज़ोर दिल का, बल्कि रखता था दिमाग।

उत्तर– इस पंक्ति का अर्थ है कि महल में घुस आया कुत्ता डरपोक नहीं था। चारों ओर दुश्मनों को देखकर वह डरा नहीं।

(ख) ठीक शीशे की तरह तुम देख लो संसार है।

उत्तर– यह संसार एक दर्पण के समान है, जिसमें जो जैसा होता है वैसा ही दिखाई देता है।

भाषा का संसार

1. उपसर्ग के सामने एक शब्द दिया गया है, दो आप लिखिए–

(क) बे – बेहद, बेदर्द, बेहया

(ख) बद – बदबू, बदनाम, बदमाश

(ग) कम – कमज़र्फ़, कमज़ोर, कमतर

(घ) गैर – गैरहाज़िर, गैरज़िम्मेदार, गैरमुल्क

(ङ) हम – हमशक्ल, हमनवा, हमपेशा

(च) ला – लाइलाज, लाजवाब, लापरवाह

2. सर्वनाम शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

(क) उसकी त्यौरियाँ चढ़ गईं। (वह)

(ख) इस बार मेरी परीक्षा अच्छी हुई। (मैं)

(ग) मुझे वह कविता बहुत पसंद है। (मैं)

(घ) हमें कुछ समझ नहीं आया। (मैं)

(ङ) वह तब तक बोलता रहा, जब तक उसमें जान थी। (उस)

3. वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए–

(क) उसे लगा कि यह दुश्मन की चाल हैं।
उन्हें लगा कि ये दुश्मनों की चालें हैं।

(ख) आदमी ने शानदार महल बनवाया।
आदमियों ने शानदार महल बनवाए।

(ग) उसने त्यौरी चढ़ाकर देखा।
उन्होंने त्यौरियाँ चढ़ाकर देखा।

(घ) एक व्यक्ति ने गरदन आगे बढ़ाई।
अनेक व्यक्तियों ने गरदनें आगे बढ़ाईं।।

अपठित अवबोधन, सूझ-बूझ, कल्पना की दुनिया तथा आइए कुछ नया करें छात्र स्वयं करेंगे।

11. ओलंपिक और मैराथन

शीर्षक– ओलंपिक और मैराथन **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- देशभक्ति तथा वीरता जैसी भावनाएँ जाग्रत करना।
- दृढ़इच्छाशक्ति, लगन एवं खेल भावना आदि पर बल देना।
- मानसिक एवं शारीरिक विकास।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- पर्यायवाची, वर्ण-विच्छेद, विराम-चिह्न वाक्य परिवर्तन, उपसर्ग का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' छात्रों से करवाएँ तथा उसके संबंध में छात्रों के साथ चर्चा करे और उनके विचार जानें।
- एनिमेटिड सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- सी. डी. बीच में रोककर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- पाठ में आए कठिन शब्द श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनका शुद्ध उच्चारण करते हुए छात्रों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- अब पाठ का आदर्श वाचन करें और साथ साथ समझाते जाएँ। बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- तत्पश्चात् छात्रों को पाठ का एक-एक अनुच्छेद पढ़वाएँ और उनके द्वारा किए गए उच्चारण में अपेक्षित संशोधन करें।
- पाठ में निहित मुख्य संदेश पर चर्चा करें।
- पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें। आवश्यकता हो तो त्रुटियों में संशोधन करें।
- अब छात्रों से उत्तर-पुस्तिका में उत्तर लिखने के लिए कहें।
- पाठ में दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र की रचना भी करवा सकते हैं।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) ओलंपिया कहाँ था? उसकी क्या विशेषता थी?

उत्तर– ओलंपिया यूनान में था। वहाँ प्रत्येक चौथे वर्ष ओलंपिक खेल होते थे।

(ख) दारा कैसा राजा था?

उत्तर– दारा एक शक्तिशाली एवं क्रूर राजा था।

(ग) प्राचीन समय में यूनान कैसा था?

उत्तर– प्राचीन समय में यूनान छोटे-छोटे पहाड़ी राज्यों में बँटा हुआ था।

(घ) फिडीपिडीज़ कौन था?

उत्तर– फिडीपीज़ एथेंस का निवासी था। वह ओलंपिक की दौड़ में प्रथम आया था।

(ङ) ओलंपिक की सबसे तेज़ दौड़ का नाम मैराथन क्यों पड़ा?

उत्तर– बहादुर फिडीपिडीज़ की स्मृति में 42195 किलोमीटर की दौड़ का नाम मैराथन रखा गया, क्योंकि उसने मैराथन के मैदान से एथेंस तक दौड़ लगाकर जीत का संदेश पहुँचाया था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

(क) यूनानवासियों के सामने क्या समस्या थी?

उत्तर– यूनानवासियों पर ईरान के राजा दारा ने आक्रमण कर दिया था। दारा की सेना एथेंस की भूमि तक पहुँच चुकी थी। एथेंस अकेले शक्तिशाली ईरानी सेना का सामना नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने स्र्पाटा से सहायता माँगने का निश्चय किया। स्र्पाटा अपने शक्तिशाली योद्धाओं के लिए प्रसिद्ध था। स्र्पाटा और एथेंस के बीच की दूरी एक सौ बानवे किलोमीटर थी। चारों ओर ऊबड़-खाबड़, ऊँची-नीची पहाड़ियाँ थीं। ऐसे रास्ते में घोड़े से यात्रा नहीं की जा सकती थी। उनके सामने यह समस्या थी कि कम समय में इतनी अधिक दूर पैदल कौन जाएगा।?

(ख) फिडीपिडीज़ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर– फिडीपिडीज़ एथेंस का निवासी था। वह परम देशभक्त था। उसने उस वर्ष की ओलंपिक दौड़ प्रतियोगिता जीती थी। उसे स्र्पाटा तक आवश्यक संदेश पहुँचाने का कार्य सौंपा गया। वह अपने देश की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए कुछ भी कर सकता था। दो दिन, दो-रात लगातार दौड़कर उसने सर्पाटा तक संदेश पहुँचाया। उसके बाद उसने ईरान के विरुद्ध युद्ध में भी भाग लिया। थकान से बेहाल होने पर भी उसने मैराथन से 40 किलोमीटर दूर एथेंस तक विजय का संदेश पहुँचाया। अंत में वह वीरगति को प्राप्त हुआ।

(ग) फिडीपिडीज किस प्रकार स्पार्टा पहुँचा?

उत्तर– फिडीपिडीज दो दिन दो रात लगातार दौड़ता रहा। दौड़ते-दौड़ते वह थककर चूर हो गया। रास्तें में जब वह थककर आराम करने की सोचता, उसे अपने देश की आज़ादी का ख्याल आ जाता और वह फिर दौड़ने लग जाता। पहाड़ों और नदियों को पार करते हुए वह अड़तालीस घंटों में स्पार्टा पहुँच गया।

(घ) जब फिडीपिडीज विजय की सूचना लेकर एथेंस पहुँचा, तब उसकी क्या दशा थी?

उत्तर– एथेंस मैराथन से 40 किलोमीटर दूर था। फिडीपिडीज बुरी तरह थका हुआ था। फिर भी वह दौड़ा। एथेंस तक पहुँचत-पहुँचते उसके पाँव जवाब दे चुके थे। उसके पैर काँप रहे थे। मुख फीका पड़ गया था। विजय की सूचना देकर वह गिर पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।

3. पाठ के आधार पर उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

(क) प्राचीन काल में यूनान छोटे-छोटे राज्यों में बँटा हुआ था।

(ख) ओलंपिया में प्रत्येक चौथे वर्ष ओलंपिक खेल होते थे।

(ग) ओलंपिया में सबसे लंबी दौड़ 42 किलोमीटर की होती है।

(घ) एथेंस मैराथन से 40 किलोमीटर दूर था।

(ङ) ईरान का राजा दारा यूनानियों से नाराज़ हो गया।

4. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) उसका मुँह फीका पड़ गया था।

उत्तर– लगातार दौड़ते रहने और थकान से बेहाल होने के कारण फिडीपिडीज के मुँह का रंग उड़ चुका था। वह बुरी तरह थक चुका था।

(ख) एथेंस तक पहुँचते-पहुँचते उसके पाँव जवाब दे चुके थे।

उत्तर– युद्ध में भाग लेने और फिर चालीस किलोमीटर लगातार दौड़ने के बाद फिडीपिडीज के पैर इतने अधिक थक चुके थे कि वह अब अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था।

श्रुतलेख एवं वाक्य रचना अध्यापक के सहयोग से छात्र स्वयं करेंगे।

भाषा का संसार

1. पाठ में आए शब्दों के पर्याय लिखिए–

घमासान	– घोर	गुलाम	– परतंत्र
शत्रु	– दुश्मन	प्रसिद्ध	– मशहूर
आक्रमण	– हमला	चिंतित	– परेशान
क्रूर	– निर्दय	सहायता	– मदद

2. उदाहरण के अनुसार वाक्य बदलकर लिखिए–

(क) उसने यूनान पर चढ़ाई करने की योजना बनाई।

उसके द्वारा यूनान पर चढ़ाई करने की योजना बनाई गई।

(ख) तुमने एथेंसवासियों से मदद माँगी है।

तुम्हारे द्वारा एथेंसवासियों से मदद माँगी गई है।

(ग) फिडीपिडीज ने कठिन और लंबा रास्ता पार कर लिया।

फिडीपिडीज द्वारा कठिन और लंबा रास्ता पार कर लिया गया।

(घ) एथेंस ने ईरान की सेना को हरा दिया।

एथेंस द्वारा ईरान की सेना को हरा दिया गया।

3. 'प्र' उपसर्ग जोड़कर शब्द बनाइए व अर्थ भी लिखिए–

		शब्द	अर्थ
देश	–	प्रदेश	दूसरा देश
हार	–	प्रहार	वार करना
मुख	–	प्रमुख	मुख्य
गाढ़	–	प्रगाढ़	घनिष्ठ
धान	–	प्रधान	मुखिया

4. अनुच्छेद में अल्पविराम (,) पूर्ण विराम (।) तथा उद्‌धरण चिह्न (" ") लगाकर अनुच्छेद दोबारा लिखिए–

अब विजय का संदेश एथेंस पहुँचाना था। एथेंस मैराथन से 40 किलोमीटर दूर था। थका होने पर भी, वह दौड़ा। एथेंस तक पहुँचते-पहुँचते पाँव जवाब दे चुके थे। उसने चिल्लाकर कहा, "एथेंस की जीत हुई हैं, शत्रु हार गए हैं। फाटक खोलो, खुशियाँ मनाओ।"

'कल्पना की दुनिया', 'ध्यान से सुनिए' तथा 'खेल-खेल में' अध्यापकों के सहयोग और परामर्श से छात्र स्वयं करेंगे।

12. चाय के बागानों की सैर

शीर्षक– चाय के बागानों की सैर **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्‌देश्य–

- ➢ प्रकृति प्रेम तथा सौंदर्यानुभूति।
- ➢ स्थान विशेष की जानकारी देना।
- ➢ भ्रमण के लाभ एवं भावाभिव्यक्ति।
- ➢ भाषायी कौशलों का विकास
- ➢ विशेषण-विशेष्य, अशुद्‌धि शोधन, योजक शब्द, द्‌वित्व व्यंजन, सर्वनाम तथा क्रिया का अभ्यास

सहायक सामग्री– श्यामपट्‌ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- ➢ पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' छात्रों से करवाएँ तथा उसके संबंध में छात्रों के साथ चर्चा करे और उनके विचार जानें।
- ➢ एनिमेटिड सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- ➢ सी. डी. बीच में रोककर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- ➢ पाठ में आए कठिन शब्द श्यामपट्‌ट पर लिखें तथा उनका शुद्‌ध उच्चारण करते हुए छात्रों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- ➢ अब पाठ का आदर्श वाचन करें और साथ साथ समझाते जाएँ। बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- ➢ तत्पश्चात् छात्रों को पाठ का एक-एक अनुच्छेद पढ़वाएँ और उनके द्‌वारा किए गए उच्चारण में अपेक्षित संशोधन करें।
- ➢ पाठ में निहित मुख्य संदेश पर चर्चा करें।
- ➢ पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें। आवश्यकता हो तो त्रुटियों में संशोधन करें।
- ➢ अब छात्रों से उत्तर-पुस्तिका में उत्तर लिखने के लिए कहें।
- ➢ पाठ में दिए गए चित्रों में से किसी एक चित्र की रचना भी करवा सकते हैं।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) समीर के पिता उसे छुट्‌टियों में घुमाने क्यों नहीं ले जा पाते थे?

उत्तर– समीर के पिता डॉक्टर थे। व्यस्त रहने के कारण वे उसे छुट्‌टियों में घुमाने नहीं ले जा पाते थे।

(ख) समीर के पिता उसे रास्ते भर क्या समझाते रहे?

उत्तर– समीर के पिता उसे यह समझाते रहे कि शैतानी मत करना, टीचर के साथ रहना और उनका कहा मानना, पहाड़ों पर चढ़कर नीचे मत झाँकना, गरम कपड़े पहनना और अकेले मत घूमने जाना।

(ग) दार्जिलिंग का रास्ता कैसा था?

उत्तर– दार्जिलिंग का रास्ता टेढी-मेढी पहाड़ियों से होकर गुज़रता था। रास्ते में सीढ़ीनुमा खेत भी थे।

(घ) चाय की पत्तियाँ साल में कितनी बार और कब तोड़ी जाती हैं?

उत्तर– चाय की पत्तियाँ साल में तीन बार तोड़ी जाती हैं। बरसात, गरमी और सरदी के मौसम में उन्हें चुना जाता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) यात्रा पर जाने के लिए समीर और उसकी माँ ने क्या तैयारियाँ कीं?

उत्तर– दार्जिलिंग की यात्रा पर जाने के लिए समीर की माँ ने कुछ गरम कपड़े अटैची में रखे, नाश्ते का सामान जैसे बिस्कुट, दालमोठ, मठरी और लड्डू भी रख दिए। समीर सुबह जल्दी उठकर तैयार हो गया और अटैची लेकर पिता के साथ चल दिया।

(ख) चाय की खेती कहाँ और कैसे की जाती है?

उत्तर– चाय की खेती पहाड़ी क्षेत्रों में सीढ़ीदार खेत बनाकर की जाती है। चाय की खेती के लिए धूपदार मौसम और पर्याप्त बरसात की आवश्यकता होती है। चाय के पौधे बीजों से तैयार किए जाते हैं। जब पौधा बड़ा हो जाता है, तब उसे ढलानदार खेतों में लगा दिया जाता है। चाय के पौधों को जड़ों में ठहरे हुए पानी से बचाया जाता है। ढलान वाले खेतों में पानी नहीं ठहरता है, इसलिए ऐसे स्थानों पर चाय की खेती की जाती है।

(ग) चाय की पत्तियाँ केवल महिलाएँ क्यों तोड़ती हैं?

उत्तर– चाय की पत्तियाँ केवल महिलाएँ ही तोड़ती हैं, उन्हें पुरुष नहीं तोड़ते, क्योंकि चाय की पत्तियाँ नरम होती हैं। पुरुषों के हाथ कठोर होते हैं जिनसे पत्तियों को हानि पहुँच सकती है इसलिए औरतें और लड़कियों ही चाय की पत्तियों को सावधानी से तोड़ती हैं।

(घ) बच्चों ने फ़ैक्ट्री में क्या देखा?

उत्तर– बच्चों ने चाय की फैक्ट्री में जाकर देखा कि कहीं चाय की पत्तियाँ सुखाई जा रही हैं, कहीं सूखी पत्तियों पर खमीर उठाने के लिए पानी का छींटा दिया जा रहा था। एक ओर सूखी मुरझाई तैयार पत्तियाँ छानी जा रही थीं। वहाँ बड़ी चाय की पत्ती और छोटी चाय का चूरा अलग-अलग तैयार हो रहा था। डिब्बों में भरने से पहले सूखी पत्तियों पर बेलन घुमाया जा रहा था ताकि पत्तियों का आकार समान हो सके। अंत में चाय को मशीनों द्वारा डिब्बों में भरा जा रहा था।

पठित बोध

बस के रुकते .... क्यों की जाती है?

(क) बस कहाँ जाकर रुकी?

उत्तर– बस चाय के बागानों के पास जाकर रुक गई।

(ख) बच्चे आश्चर्य से बागानों को क्यों देख रहे थे?

उत्तर– बच्चों ने कभी चाय के हरे-भरे खेतों को नहीं देखा था, इसलिए वे आश्चर्यचकित होकर बागानों को देख रहे थे।

(ग) "चाय की खेती इस तरह क्यों की जाती हैं।" 'इस तरह' का क्या अर्थ है।?

उत्तर– 'इस तरह' का अर्थ है सीढ़ीनुमा या ढलानवाले खेत बनाकर चाय की खेती करना।

(घ) पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– आश्चर्य = हैरानी प्रश्न = सवाल

भाषा का संसार

1. दिए गए विशेषण और विशेष्य के जोड़े बनाइए–

ठंडी – हवा

ऊनी – कपड़े

समतल – मैदान

सूखी – पत्तियाँ

सीढ़ीदार – खेत

चमचमाती – धूप

2. अशुद्ध वर्तनी पर × का चिह्न लगाइए–

प्रयाप्त (×)

3. दिए गए रिक्त स्थानों में उचित शब्द भरिए–

(क) पिछले साल सभी ट्रिप पर गए, लेकिन समीर नहीं जा पाया।

(ख) ठंडी हवा और चमचमाती धूप में बच्चे खूब आनंद ले रहे थे।

(ग) चाय प्रायः काले और गहरे भूरे रंग की होती है।

(घ) समीर ने सोचा कि बात करने का यही उचित समय है।

(ङ) समीर का चेहरा चमक रहा था क्योंकि अगले दिन सुबह उसे दार्जिलिंग जाना था।

4. द्वित्व व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइए–

म्म – चम्मच, सम्मान

ब्ब – धब्बा, गुब्बारा

त्त – पत्ता, छत्ता

च्च – कच्चा, बच्चा

5. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रूप लिखकर खाली स्थान भरिए–

(क) उसने एकचित्र बनाया है। (बना)

(ख) वह कल से परेशान है। (उसे)

(ग) मुझे बाहर घूमने जाना है। (मैं)

(घ) मेरी कमीज़ सिल दो। (मुझे)

(ङ) वह थककर सो गया। (सोना)

अपठित अवबोधन

दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) पं० जवाहर लाल नेहरु के माता-पिता कौन थे?

उत्तर– पंडित मोती लाल नेहरु और स्वरूप रानी

(ख) नेहरूजी की पढ़ाई कहाँ हुई?

उत्तर– इंग्लैंड में

(ग) भारत देश कब स्वतंत्र हुआ?

उत्तर– सन 1947

(घ) 'माता' के दो पर्याय लिखिए–

उत्तर– अंबा, जननी

(ङ) सारी दुनिया नेहरुजी को किस रूप में जानती हैं?

उत्तर– शांतिदूत

'कल्पना की दुनिया' और 'खेल-खेल में' छात्र स्वयं करेंगे।

13. बहुत दिनों से सोच रहा था

शीर्षक– बहुत दिनों से सोच रहा था। **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्‌देश्य–

- वन-संरक्षण तथा वृक्षारोपण पर बल।
- प्राकृतिक सौंदर्यानुभूति।
- वनस्पति एवं जीव-जंतुओं के प्रति लगाव।
- पर्यायवाची, तुकांत शब्द, संज्ञा, क्रिया का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' छात्रों से करवाएँ तथा उसके संबंध में छात्रों के साथ चर्चा करे और उनके विचार जानें।
- एनिमेटिड सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- सी. डी. बीच में रोककर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- पाठ में आए कठिन शब्द श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनका शुद्‌ध उच्चारण करते हुए छात्रों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- अब स्वयं कविता का आदर्श वाचन करें और एक-एक अनुच्छेद का भाव समझाते जाएँ।
- संपूर्ण कविता का पठन-पाठन करने के बाद छात्रों से अनुकरण वाचन करवाएँ।
- पहले सामूहिक वाचन फिर पृथक-पृथक करें
- एक-एक अनुच्छेद का लयात्मक वाचन करवाएँ।
- तत्पश्चात् कविता में निहित भाव पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत कविता में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें और आवश्यकतानुसार संशोधन करते हुए उत्तर पुस्तिका में अभ्यास करवाएँ।
- प्रयास करें कि छात्र अभ्यास प्रश्न स्वयं करें।
- लेखक कार्य करवाते समय छात्रों की लिखाई और वर्तनी पर ध्यान रखें और आवश्यकतानुसार निर्देश दें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) कवि हमसे क्या प्रार्थना कर रहा हैं?

उत्तर– कवि हमसे यह प्रार्थना कर रहा है कि धरती पर फलों और फूलों से लदे वृक्ष हैं, उपवन, क्यारियाँ

और खेत हैं हमें उनका बचाव करना है। वृक्षों को काटने नहीं देना है और पशु-पक्षियों का भी संरक्षण करना है। शिकारियों और लालची मनुष्यों से दुनिया को बचाना है।

(ख) कवि ने किसे वहशी कहा है? क्यों?

उत्तर– कवि ने मानव सभ्यता को वहशी कहा है, क्योंकि मनुष्य लालच में अंधा होकर वृक्षों को काट रहा है, पशु-पक्षियों को मार रहा है। वह हवा में ज़हरीली गैसों का ज़हर घोल रहा है। स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है। मानव सभ्यता विनाश की ओर बढ़ रही है।

(ग) कविता की पहली चार पंक्तियों में कवि क्या कह रहा है?

उत्तर– कवि कविता की पहली चार पंक्तियों में यह कह रहा है कि बहुत दिनों से मैं यह सोच रहा हूँ कि कहीं से थोड़ी ज़मीन लेकर उस पर बाग या बगीचा लगाऊँ। उस बगिया में फूल और फल लगें, पक्षी चहकें और चारों ओर फूलों की महक फैल जाए। शुद्ध हवा भी मानो तालाब से नहाकर उस बगीचे में आए।

(घ) कवि ने पक्षी, पेड़ और बच्चों के बारे में क्या कहा है?

उत्तर– कवि ने बच्चे और पेड़ों के विषय में कहा है कि ये ही संसार रूपी बाग को हरा-भरा रखते हैं। पक्षी भोले-भाले बच्चों की तरह होते हैं, जो अपने पेड़ की डालियों के कटने पर बच्चे की तरह रोते हैं। पेड़ों की तरह हमें बढ़ना, सीखना चाहिए और दूसरों का भला करना चाहिए।

भावार्थ लिखिए–

(क) "तो विनती है .... को खोना।"

भावार्थ– इन पंक्तियों में कवि यह कहना चाहता है कि इस संसार को लालची मनुष्य के हाथों नष्ट मत होने देना। वृक्ष को कटने से बचाना और पशु-पक्षियों का संरक्षण करना।

(ख) "आज सभ्यता .... बाँट रही है।"

भावार्थ– मानव लालच में अंधा होकर जंगली पशु के समान बन गया है और अंधा-धुंध पेड़ों और वनों को काट रहा है। जिसके कारण हम सब दूषित वायु में साँस ले रहे हैं, जो कि विष के समान है।

पठित बोध

काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

हो सकता हैं .... को मत खोना।

(क) 'चौपाए' किन्हें कहा गया है?

उत्तर– 'चौपाए' पशुओं को कहा गया है।

(ख) आँगन में कौन झूम रहा होगा?

उत्तर– आँगन में पक्षी झूम रहे होंगे।

(ग) 'मत दुनिया को खोना' का क्या अर्थ है।?

उत्तर– इसका अर्थ है कि संसार को नष्ट मत होने देना।

(घ) पेड़ कटने से चिड़िया क्यों खो जाएँगी?

उत्तर– पेड़ पक्षियों का घर है। पेड़ कटने पर वे अपना आश्रय खो देंगी और हम उन्हें खो देंगे।

भाषा का संसार

1. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए–

पृथ्वी = धरती	पशु = चौपाए	प्रार्थना = विनती
डाली = टहनी	जंगली = वहशी	विष = ज़हर
खुशबू = महक	बगीचा = उपवन	

2. तुकांत शब्द लिखिए–

सहन = बहन, दहन,	जहर = पहर, नहर
खुशबू = बदबू, गुफ़्तगू,	दहक = महक, चहक
पक्षी = अक्षी, भक्षी	धरती = करती, भरती

3. दी गई कविता की पंक्तियों में क्रिया शब्द रेखांकित कीजिए–

(क) कहीं शांत चौपाए <u>घूम रहे हों</u>।

(ख) पेड़ों के संग <u>बढ़ना सीखो</u>, पेड़ों के संग <u>खिलना</u>।

(ग) नहीं <u>समझते</u> जो, वे दुष्कर्मों का फल <u>चखते हैं</u>।

(घ) बहुत दिनों से <u>सोच रहा था</u>, थोड़ी धरती <u>पाऊँ</u>।

(ङ) छोटी-सी खेती <u>हो</u>, जो फसलों से <u>दहक रही हो</u>।

4. दिए गए संज्ञा शब्दों के सामने उनके भेद लिखिए–

सभ्यता = भाववाचक संज्ञा,	शांति = भाववाचक संज्ञा
बगीचा = जातिवाचक संज्ञा,	विनती = भाववाचक संज्ञा
दुष्कर्म = भाववाचक संज्ञा,	राघव = व्यक्तिवाचक संज्ञा
फ़सल = जातिवाचक संज्ञा,	इनसान = जातिवाचक संज्ञा

'ध्यान से सुनिए', 'कल्पना की दुनिया' तथा 'आइए, कुछ नया करें' अध्यापकों के परामर्श तथा सहयोग से छात्र स्वयं करेंगे।

14. चापलूस सूबेदार

शीर्षक– चापलूस सूबेदार **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- परोपकार व समाज कल्याण की भावना जागृत करना।
- सच्चाई, अतिथि-सत्कार, कृतज्ञता जैसे मूल्यों पर बल।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- लिंग, शब्द-युग्म, विदेशी शब्द, मुहावरे, काल आदि का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट, सी. डी., कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दिए गए 'पाठ से पहले' अभ्यास को छात्रों से करने के लिए कहें। तत्पश्चात उस पर छात्रों के विचार जानें।
- सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनाएँ।
- शुद्ध उच्चारण तथा विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए पाठ का भावपूर्ण वाचन करें। अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ। छात्रों से कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- बीच-बीच में पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न छात्रों से पूछकर उनकी भागीदारिता सुनिश्चित करें।
- पाठ के अंत में पाठ में निहित भाव पर चर्चा करें।
- पाठ के उपरांत तत्पश्चात छात्रों से पाठ का मौन और मुखर वाचन करवाएँ। ध्यान रखें कि सभी छात्रों को वाचन का अवसर मिलें।
- पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत पाठ में दिए गए अभ्यास प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें। उनके द्वारा बताए गए उत्तरों में आवश्यकतानुसार सुधार करें।
- पाठ में दिए गए चित्रों में से अपना मनपसंद चित्र 'चित्र रचना' के रूप में बनाने के लिए कहें।
- पाठ्येतर गतिविधि व क्रियाकलापों पर भी चर्चा करें।

अभ्यास

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) बादशाह अकबर प्रजा का असली हाल जानने के लिए क्या करते थे?

उत्तर– बादशाह अकबर देश बदलकर प्रजा के बीच घूमते और उनका असली हाल जानने का प्रयास करते थे।

(ख) शिकायत करने पर मुंशी क्या कहता था?

उत्तर– शिकायत करने पर मुंशी शिकायत करने वाले को डाँटकर कहता था कि रोज़-रोज़ नदी पार जाने की क्या आवश्यकता है।

(ग) बुढ़िया के अनुसार जौनपुर में किसकी आवश्यकता थी?

उत्तर– बुढ़िया के अनुसार जौनपुर में नदी के ऊपर पुल बनाने की आवश्यकता थी।

(घ) बादशाह 'शुक्रिया' कहकर चुपचाप क्यों चले गए?

उत्तर– बादशाह बुढ़िया को शुक्रिया कहकर चुपचाप इसलिए चले गए क्योंकि उसी के कारण उन्हें सच्चाई का पता चला था।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) नक्शे को देखकर बादशाह क्यों प्रसन्न हो गए?

उत्तर– मुबारक खान के द्‌वारा बनवाए गए नक्शें को देखकर बादशाह इसलिए प्रसन्न हो गए क्योंकि नक्शा बहुत सुंदर था। उसमें आकाश को छूने वाली ऊँची-नीची मीनारें थीं, अनोखे गुंबद दें और खुला तालाब था। बादशाह को लगा कि ऐसी सुंदर जगह पर लाखों लोग बैठकर खुदा को याद करेंगे, तो उन्हें बहुत शांति मिलेगी।

(ख) बुढ़िया नदी के किनारे खड़ी होकर क्यों चिल्ला रही थी?

उत्तर– नदी के किनारे गठरी थामे खड़ी हुई अस्सी-नब्बे वर्ष की बूढ़ी स्त्री इसलिए चिल्ला रही थी क्योंकि उसे नदी पार करने के लिए कोई नाव नहीं मिल रही थी। दिन छिपने से पहले ही मुंशी के चले जाने से नाविक भी समय से पहले ही चले गए थे। उनकी इस मनमानी पर रोक लगाने वाला कोई नहीं था। वहाँ के सूबेदार मुबारक खान को कर वसूलने और बादशाह की चापलूसी करने से ही फुरसत नहीं थी।

(ग) मुबारक खान के विषय में बूढ़ी औरत का क्या विचार था?

उत्तर– बूढ़ी स्त्री का यह मानना था कि मुबारक खान अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। वह केवल कर वसूली में ही व्यस्त रहता था। प्रजा की उसे कोई फ़िक्र नहीं थी। अब वह केवल शानदार मसजिद बना कर बादशाह अकबर को प्रसन्न करना चाहता था, ताकि उसका ओहदा और बढ़ जाए।

(घ) बादशाह ने बुढ़िया को किस प्रकार घर पहुँचाया?

उत्तर– बादशाह अकबर से बूढ़ी औरत का दुख देखा नहीं गया। उन्होंने कभी नाव नहीं चलाई थी। वे बुढ़िया से बोले , मैं तुम्हें पार पहुँचा देता हूँ। बुढ़िया ने बादशाह को गलत ढंग से चप्पू पकड़ते देखकर पूछा कि उन्हें नाव चलानी आती भी है या नहीं। इस पर उन्होंने बुढ़िया से कहा कि घबराओं मत मैं धीरे-धीरे नाव चलाकर ले चलूँगा। डरते-डरते बूढ़ी स्त्री नाव में बैठ गई और बादशाह जी-जान लगाकर नाव चलाने लगे। नाव कभी इधर जाती, तो कभी उधर। बुढ़िया ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगती लगातार परिश्रम करने के बाद किसी प्रकार बादशाह ने उसे उस पार पहुँचा ही दिया।

(ङ) बादशाह अकबर ने बुढ़िया से क्या सबक सीखा?

उत्तर– बादशाह अकबर को बूढ़ी स्त्री ने यह सबक सिखाया कि ईश्वर की सच्ची सेवा मनुष्य की सेवा करने से ही हो सकती है। यदि वह वास्तव में अपनी प्रजा का भला करना चाहता है, तो उसे मस्जिद बनवाने से पहले पुल बनवाना चाहिए।

3. किसने, किससे, कब कहा?

(क) "चल भाई! तू ही मुझे पार ले चल।"

उत्तर– बूढ़ी स्त्री ने नाविक बने बादशाह से कहा।

कब कहा– जब बादशाह ने उसे पार पहुँचाने का प्रस्ताव रखा।

(ख) "माई! क्या परेशानी होती है?"

उत्तर– नाविक बने बादशाह ने बुढ़िया से कहा।

कब कहा– जब बूढ़ी स्त्री ने पुल न होने के कारण जनता की परेशानी बताई।

पठित बोध

"उसे असलियत .... जरूरत है।"

(क) यह बात किसने, किससे कही?

उत्तर– यह बात बूढ़ी स्त्री ने नाविक के रूप में बादशाह से कही।

(ख) यहाँ 'उसे' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

उत्तर– यहाँ 'उसे' शब्द बादशाह अकबर के लिए कहा गया है।

(ग) उसे कोई असलियत क्यों नहीं बता पा रहा था?

उत्तर– मुबारक खान केवल बादशाह को चापलूसी करता रहता था। इसलिए उसे कोई असलियत नहीं बता पा रहा था।

(घ) वहाँ मस्जिद से अधिक पुल की जरूरत क्यों थी?

उत्तर– वहाँ मस्जिद से अधिक पुल की ज़रूरत इसलिए थी क्योंकि पुल न होने के कारण उस पार जाने में कठिनाई होती थी। नाविक मन-मानी करते थे।

भाषा का संसार

1. दिए गए शब्दों के समानार्थी पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

अनोखा	= निराला	निमंत्रण	= न्योता
चैन	= सुकून	सुंदर	= खूबसूरत
पद	= ओहदा	नाविक	= मल्लाह
वास्तविकता	= असलियत	नासमझ	= अनाड़ी

2. पाठ में आए इन शब्दों के लिंग बदलिए–

बादशाह	= बेगम	सूबेदार	= सूबेदारनी
बुढ़िया	= बुड्ढा	दुष्ट	= दुष्टा
मालिक	= मालकिन	पोती	= पोता

3. शब्द-युग्मों को चुनकर सही स्थान पर लिखिए—

विलोम शब्द-युग्म	समानार्थी शब्द-युग्म	पुनरुक्त शब्द-युग्म
हानि-लाभ	हरे-भरे	दूर-दूर
ज़मीन- आसमान	पेड़-पौधे	रोज़-रोज़
ऊँचा-नीचा		उतरते-उतरते

4. हिंदी-उर्दू समानार्थी शब्दों को मिलाइए—

हिंदी	**उर्दू**
स्वामी	मालिक
प्राण	जान
आवश्यकता	ज़रूरत
क्रोध	गुस्सा
रक्त	खून
प्रतीक्षा	इंतज़ार
कठिनाई	मुश्किल
सुंदर	खूबसूरत

5. दिए गए वाक्यों के काल पहचानकर लिखिए—

(क) अकबर अपनी प्रजा के सुख-दुख का खयाल रखते थे। — भूतकाल

(ख) नन्हें पोते-पोते भूख से बिलख रहे होंगे। — भविष्यत काल

(ग) अरे! तू नाव लेकर खिलवाड़ कर रहा है। — वर्तमान काल

'अपठित अवबोधन', कल्पना की दुनिया, पाठ से आगे तथा परियोजना कार्य छात्र स्वयं करेंगे।

15. बाघ की खोज में

शीर्षक– बाघ की खोज में **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्‌देश्य–

- वन्य जीव-जंतुओं के प्रति लगाव।
- वन तथा वन्य-प्राणियों का संरक्षण।
- प्रकृति-प्रेम तथा पर्यावरण के संतुलन पर बल।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- समानार्थी, विदेशी शब्द, यौगिक, विलोम, काल, अशुद्‌धि शोधन, विशेषण-विशेष्य का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट, सी. डी., कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दिए गए 'पाठ से पहले' अभ्यास को छात्रों से करने के लिए कहें।
- सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनाएँ।
- शुद्‌ध उच्चारण तथा विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए पाठ का भावपूर्ण वाचन करें। अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ। छात्रों से कठिन शब्दों का शुद्‌ध उच्चारण करवाएँ।
- बीच-बीच में पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न छात्रों से पूछकर उनकी भागीदारिता सुनिश्चित करें।
- पाठ के अंत में पाठ में निहित भाव पर चर्चा करें।
- तत्पश्चात छात्रों से पाठ का मौन और मुखर वाचन करवाएँ। ध्यान रखें कि सभी छात्रों को वाचन का अवसर मिलें।
- पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत पाठ में दिए गए अभ्यास प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें। उनके द्‌वारा बताए गए उत्तरों में आवश्यकतानुसार सुधार करें।
- पाठ में दिए गए चित्रों में से अपना मनपंसद चित्र 'चित्र रचना' के रूप में बनाने के लिए कहें।
- पाठ्‌येतर गतिविधि व क्रियाकलापों पर भी चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) लेखक कहाँ बैठकर डायरी लिख रहा था?

उत्तर– लेखक अपने फुफेरे भाई गौतम के गेस्ट हाउस में बैठकर डायरी लिख रहा था।

(ख) लेखक के भाई क्या काम करते है?

उत्तर– लेखक के भाई एक सरकारी अधिकारी हैं और महानगर में काम करते हैं।

(ग) 'जिम कॉर्बेट' कौन था?

उत्तर– 'जिम कॉर्बेट' अंग्रेज़ी सेना में एक अधिकारी था। उसे शिकार खेलने का शौक था।

(घ) वन-विभाग शिकार के लिए कौन-से दो लाइसेंस जारी करता था?

उत्तर– वन-विभाग शिकार के लिए दो लाइसेंस जारी करता था। 'बिग गेम'– जिसमें बड़े जानवरों का शिकार होता था तथा 'स्मॉल-गेम' जिसमें तीतर, बटेर, खरगोश जैसे छोटे जानवरों का शिकार किया जाता था।

(ङ) बाघ की औसत आयु कितनी होती है?

उत्तर– बाघ की औसत आयु पच्चीस वर्ष से उनतीस वर्ष तक होती है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) गेस्ट हाउस कहाँ स्थित था? उस जगह का वर्णन कीजिए–

उत्तर– गेस्ट हाउस फुलारी गाँव की सबसे ऊँची पहाड़ी पर बना था। गेस्ट हॉउस में किसी अनजान व्यक्ति को ठहरने नहीं दिया जाता था। उसके आस-पास पशु-पक्षी, फल-फूल नदी-झरने आदि भी थे। वह सुंदर तथा शांत प्राकृतिक वातावरण के बीच बना हुआ था।

(ख) चंपावत के लोग बाघिन को क्यों नहीं मार पा रहे थें? निराश होकर उन्होंने क्या किया?

उत्तर– चंपावत के जंगल में बाघिन ने 436 लोगों को मार डाला था। वहाँ के लोगों के पास बारूद वाली 12 बोर की बंदूकें थीं, जो अधिक दूर तक मार नहीं कर सकती थीं। बाघिन पास नहीं आती थी इसलिए वे बाघिन को मार नहीं पा रहे थे। निराश होकर उन्होंने अंग्रेज़ी सेना के एक अधिकारी जि कॉर्बेट को बुलवाया उसके पास एक रायफल थी, जिसका नाम '3-0-6' था। वह अधिक दूरी तक मार कर सकती थी। जिम कॉर्बेट ने उस बाघिन को अपनी रायफल से मार डाला।

(ग) बाघ के शिकार पर रोक लगाने के लिए क्या कानून बनाया गया?

उत्तर– बाघ के शिकार पर रोक लगाने के लिए 1962 में एक कानून बना 'वन्य जीव संरक्षण अधिनियम' जिसमें बाघों को मारना मना था। उनका शिकार करने के लिए दिए गए लाइसेंस भी रद्द कर दिए गए। 1970 में पहली बार टाइगर सेंक्चुरी की शुरुआत हुई।

3. दिए गए कथनों के सामने ✓/✗ का चिह्न लगाइए–

(क) लेखक को बाघों की जानकारी पहले से थी। (✗)

(ख) चंपावत के गेस्ट हाउस में कोई भी रुक सकता था। (✗)

(ग) कोलाकोट में जिम कॉर्बेट ने पहली बाघिन मारी थी। (✓)

(घ) जिम ने बाघों के संरक्षण के बारे में कभी नहीं सोचा (✗)

(ङ) टाइगर प्रजाति बिड़ाल प्रजाति के अंतर्गत आती है। (✓)

पठित बोध

"बाघ एक .... बन गई है।

(क) बाघ प्रकृति का संतुलन बनाने में किस प्रकार सहायक हैं?

उत्तर– वन्य जीव जंतुओं को मार कर वह प्रकृति का संतुलन बनाने में सहायक होता है। अन्यथा वन्य-जीव जंतुओं की संख्या बढ़ती जाएगी।

(ख) बाघ की कितनी और कौन-सी प्रजातियाँ लुप्त हो गई हैं?

उत्तर– बाघ तीन प्रजातियाँ लुप्त हो गई हैं– बाली टाइगर, जवान टाइगर और केसियन टाइगर।

(ग) प्रजातियों के लुप्त होने का क्या कारण है?

उत्तर– बाघों का अंधा-धुंध शिकार उसकी प्रजातियों के लुप्त होने का कारण है।

भाषा का संसार

1. पाठ में आए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

अनजान	=	अनभिज्ञ	जिंदगी	=	जीवन
आनंद	=	मज़ा	मनुष्य	=	मानव
प्रतिबंध	=	रोक	ताकत	=	शक्ति
आयु	=	उम्र	निगाह	=	दृष्टि

2. पाठ में आए पाँच विदेशी शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

उत्तर– बिग-गेम, स्मॉल-गेम, टाइगर, रायफ़ल, जिम कॉर्बेट, नेशनल पार्क

3. दिए गए यौगिक शब्दों को अलग-अलग कीजिए–

(क) पूर्णागिरी = पूर्ण + गिरि

(ख) संकटग्रस्त = संकट + ग्रस्त

(ग) उत्तराखंड = उत्तर + खंड

(घ) भोजनालय = भोजन + आलय

4. उचित विकल्प पर गोला लगाइए–

(क) प्रत्येक पंक्ति में दिए गए शब्द का उचित विलोम शब्द छाँटिए–

ज़मीन –	गगन	धरा	(आसमान)
कठिन –	आसान	(सरल)	कठोर
हिंसक –	जंगली	(पालतू)	प्रिय
प्राकृतिक –	(कृत्रिम)	जंगली	घरेलू

(ख) शुद्ध वर्तनी पर गोला लगाइए–

(अंतर्गत)	अंर्तगत	अंतगर्त
प्रकृतिक	प्राकृतिक	(प्राकृतिक)
परिवर्तन	(परिवर्तन)	पर्रिवतन
व्रद्धाश्रम	(वृद्धाश्रम)	वृद्धाश्रम

5. दिए गए वाक्यों में क्रिया के काल पहचानकर लिखिए–

(क)	मैं गेस्ट हाउस के कमरे में बैठा हूँ।	वर्तमान काल
(ख)	मैं गेस्ट हाउस के कमरे में बैठा था।	भूतकाल
(ग)	मैं गेस्ट हाउस के कमरे में बैठूँगा।	भविष्यतकाल
(घ)	कुछ लोग व्यापार भी करते थे।	भूतकाल
(ङ)	कुछ लोग व्यापार भी करते हैं।	वर्तमान काल
(च)	कुछ लोग व्यापार भी करेंगे।	भविष्यत काल

6. विशेषण-विशेष्य अलग कीजिए–

पशु, बड़े, दाँत, घना, जंगल ऊँची, चोटी सूने पर्वत हिंसक

विशेषण	विशेष्य
बड़े	दाँत
घना	जंगल
ऊँची	चोटी
सूने	पर्वत
हिंसक	पशु

ध्यान से सुनिए, कल्पना की दुनिया, परियोजना कार्य, अध्यापकों के सहयोग और मार्गदर्शन में छात्र स्वयं करें।

16. साहस की जीत

शीर्षक– साहस की जीत **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- ➢ साहस, दृढ़-निश्चय, आत्म-विश्वास जैसे जीवन मूल्यों पर बल देना।
- ➢ निरंतर अभ्यास कार्य करने की भावना जाग्रत करना।
- ➢ भाषायी कौशलों का विकास।
- ➢ अशुद्धि-शोधन, संज्ञा, क्रिया, विलोम शब्द वचन तथा समानार्थी शब्दों का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट, सी. डी., कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर।

शिक्षण संकेत–

- ➢ पाठ के आरंभ में दिए गए 'पाठ से पहले' अभ्यास को छात्रों से करने के लिए कहें। फिर छात्रों से उस पर चर्चा करें।
- ➢ सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनाएँ।
- ➢ शुद्ध उच्चारण तथा विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए पाठ का भावपूर्ण वाचन करें। अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ। छात्रों से कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- ➢ बीच-बीच में पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न छात्रों से पूछकर उनकी भागीदारिता सुनिश्चित करें।
- ➢ पाठ के अंत में पाठ में निहित भाव पर चर्चा करें।
- ➢ तत्पश्चात छात्रों से पाठ का मौन और मुखर वाचन करवाएँ। ध्यान रखें कि सभी छात्रों को वाचन का अवसर मिलें।
- ➢ पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करें।
- ➢ इसके उपरांत पाठ में दिए गए अभ्यास प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें। उनके द्वारा बताए गए उत्तरों में आवश्यकतानुसार सुधार करें।
- ➢ पाठ में दिए गए चित्रों में से अपना मनपसंद चित्र 'चित्र रचना' के रूप में बनाने के लिए कहें।
- ➢ पाठ्येतर गतिविधि व क्रियाकलापों पर भी चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) चार वर्षों के प्रशिक्षण के बाद जानकी कितने घंटे पानी में बिता सकती थी?

उत्तर– चार वर्षों के कठोर प्रशिक्षण के बाद जानकी पानी में 10 घंटे बिता सकती थी।

(ख) कोच स्टैला ने जानकी का अकेले चैनल पार करने का प्रस्ताव क्यों नहीं माना?

उत्तर– कोच स्टैला ने जानकी का अकेले चैनल पार करने का प्रस्ताव इसलिए नहीं माना क्योंकि उनके पास जानकी के लिए विशेष मौका नहीं थी।

(ग) जानकी ने इंग्लिश चैनल को पार करने का कार्य कब आरंभ किया?

उत्तर– जानकी ने इंग्लिश चैनल पार करने का कार्य 28 जुलाई 1992 को आरंभ किया।

(घ) जानकी के अनुसार असंभव शब्द किन कामों के लिए है?

उत्तर– जानकी के अनुसार 'असंभव' शब्द उन कार्यों के लिए है, जिन्हें करने का प्रयास कभी किया ही नहीं गया।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) इंग्लिश चैनल संस्था द्वारा भेजे गए पत्र में क्या लिखा था? उसे पढ़ने के बाद जानकी ने क्या किया?

उत्तर– इंग्लिश चैनल संस्था द्वारा भेजे गए पत्र में लिखा था कि यदि वे इंग्लिश चैनल पार करने का प्रयास करना चाहती हैं, तो उन्हें दो शर्तें पूरी करनी होंगी। उन्हें कम-से-कम दस घंटे पानी में बिताने होंगे और उनका मैराथन तैराकी के योग्य होना भी आवश्यक है। पत्र पढ़ने के बाद इन दोनों शर्तों को पूरा करने के लिए जानकी ने बेंगलूरू में प्रशिक्षण लेना आरंभ कर दिया।

(ख) डोवर पहुँचकर जानकी ने क्या किया?

उत्तर– डोवर पहुँचकर जानकी ने तुरंत तैरने का अभ्यास आरंभ कर दिया। जानकी को तैरते देखकर इंग्लिश चैनल संस्था के अधिकारी आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने किसी विकलांग महिला को इंग्लिश चैनल पार करने का प्रयास करते हुए पहली बार देखा था।

(ग) चैनल में तैरते समय जानकी को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर– चैनल को पार करते समय जानकी को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चैनल का पानी ठंडा था, इसलिए उन्हें अपने हाथ चलाने के लिए अधिक शक्ति लगानी पड़ती थी। अपने बेजान पैरों के कारण उन्हें समुद्र की लहरों से जूझना पड़ता था। क्योंकि लहरों की दिशा बदलने के साथ ही उनके पैर भी उसी ओर मुड़ जाते थे। समुद्र का पानी भी बहुत खारा था। जब वह मुँह में घुस जाता, तो उन्हें उल्टी आ जाती। समुद्र में जैली-फिश और झाड़ियाँ भी उनके लिए बाधा बन जाती थी।

(घ) इंग्लिश चैनल को पार करने में सफल होकर जानकी ने क्या कहा?

उत्तर– इंग्लिश चैनल पार करने के बाद जानकी ने कहा कि मैं अकेली चैनल पार नहीं कर पाई तो क्या। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि मैं इस रिले दल का हिस्सा बनी। और जिसने मेरा सपना साकार करने में मेरी सहायता की। मैं अब विकलांगों के लिए होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए प्रशिक्षण देना आरंभ करूँगी।

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) "प्रकृति के विरुद्ध मेरी यह अनोखी जंग 28 जुलाई 1992 को शुरु हुई।"

उत्तर– तैरने के लिए हाथ और पैर दोनों की आवश्यकता होती हैं, परंतु जानकी के दोनों पैर बेजान थे। ऐसी स्थिति में इंग्लिश चैनल को तैरकर पार करना प्रकृति के विरुद्ध कार्य था, इसलिए जानकी ने ऐसा कहा है।

(ब) "सफलता प्राप्त करने का कोई छोटा रास्ता नहीं है।"

उत्तर– यदि हमें जीवन में लंबे समय तक सफल रहना है, तो इसके लिए हमें लगातार परिश्रम करना होगा। छोटा रास्ता अपनाकर प्राप्त की गई सफलता लंबे समय तक नहीं टिक पाती।

पठित बोध

"हम भोजन .... कर रही थी।"

(क) यह कथन किसने कहा?

उत्तर– यह कथन जानकी के पिता श्री नागप्पा ने कहा।

(ख) उनकी पुत्री कौन-सा जोखिम भरा काम कर रही थी?

उत्तर– उनकी पुत्री इंग्लिश चैनल को तैरकर पार करने का जोखिम भरा काम कर रही थी।

(ग) वह काम जोखिम भरा क्यों था?

उत्तर– जानकी शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ नहीं थी। उनके शरीर का निचला भाग पोलियों के कारण बेजान हो चुका था। ऐसी हालत में चैनल को तैरकर पार करना जोखिम भरा काम था।

भाषा का संसार

1. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द पर ✓ का चिह्न लगाइए

(क)	औलंपिक	(✗)	ओलंपिक	(✓)
(ख)	विक्लांग	(✗)	विकलांग	(✓)
(ग)	प्रशिक्षण	(✓)	प्रशिक्क्षण	(✗)
(घ)	अतिरीक्त	(✗)	अतिरिक्त	(✓)
(ङ)	प्रत्येक	(✓)	प्रत्ऐक	(✗)
(च)	स्वस्थ	(✓)	सवस्थ	(✗)

2. निम्नलिखित संज्ञा शब्द किन क्रिया शब्दों से बने हैं? लिखिए–

चढ़ाई = चढ़ना | ढुलाई = ढुलना

बुवाई = बोना | रुलाई = रोना

खुदाई = खोदना | हँसाई = हँसना

3. दिए गए शब्दों का विलोम शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखिए–

असंभव – संभव | विश्वसनीय – अविश्वसनीय

अप्रशिक्षित – प्रशिक्षित | समाधान – समस्या

असफलता – सफलता | निराकार – साकार

4. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

एकवचन	**बहुवचन**	**कारक चिह्न सहित**
संस्था	संस्थाएँ	संस्थाओं के लिए
घंटा	घंटे	घंटों के लिए
नौका	नौकाएँ	नौकाओं के लिए
हिस्सा	हिस्से	हिस्सों के लिए
महिला	महिलाएँ	महिलाओं के लिए
रास्ता	रास्ते	रास्तों के लिए

5. उदाहरण के अनुसार कीजिए–

(क) मुसीबत को संकट कहते हैं।

(ख) विरुद्ध को खिलाफ़ भी कहते हैं।

(ग) हैरान को आश्चर्यचकित भी कहते हैं।

(घ) मदद को सहायता भी कहते हैं।

(ङ) प्रयास को कोशिश भी कहते हैं।

'अपठित अवबोधन', 'सूझ-बूझ', 'कल्पना की दुनिया' तथा आइए कुछ नया करें। अध्यापकों के सहयोग एवं परामर्श से छात्र स्वयं करेंगे।

17. छोड़ पेड़ की छाँव मुसाफिर

शीर्षक– छोड़ पेड़ की छाँव मुसाफिर **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- संघर्ष, साहस एवं परिश्रम पर बल देना।
- जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने का प्रयास।
- काव्य-सौंदर्यानुभूति।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- पर्यायवाची शब्द, उपसर्ग, क्रिया पद, रिक्त स्थानों की पूर्ति का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, सी. डी. कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर आदि।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दी गई गतिविधि 'पाठ से पहले' छात्रों से करवाएँ तथा उसके संबंध में छात्रों के साथ चर्चा करे और उनके विचार जानें।
- एनिमेटिड सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनवाएँ।
- सी. डी. बीच में रोककर छात्रों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें।
- पाठ में आए कठिन शब्द श्यामपट्ट पर लिखें तथा उनका शुद्ध उच्चारण करते हुए छात्रों से भी करवाएँ। शब्दों के अर्थ तथा व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ।
- अब स्वयं कविता का आदर्श वाचन करें और एक-एक अनुच्छेद का भाव समझाते जाएँ।
- संपूर्ण कविता का पठन-पाठन करने के बाद छात्रों से अनुकरण वाचन करवाएँ।
- पहले सामूहिक वाचन फिर पृथक-पृथक करें
- एक-एक अनुच्छेद का लयात्मक वाचन करवाएँ।
- तत्पश्चात् कविता में निहित भाव पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत कविता में दिए गए अभ्यास प्रश्न छात्रों से पूछें और आवश्यकतानुसार संशोधन करते हुए उत्तर पुस्तिका में अभ्यास करवाएँ।
- प्रयास करें कि छात्र अभ्यास प्रश्न स्वयं करें।
- लेखक कार्य करवाते समय छात्रों की लिखाई और वर्तनी पर ध्यान रखें और आवश्यकतानुसार निर्देश दें।

भावार्थ–

इस कविता में कवि ने मनुष्य को आलस्य त्यागकर पुरुषार्थ (परिश्रम) करने के लिए कहा है। अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उसे आलस और आराम को त्याग कर जीवन के कठिन रास्तों पर आगे बढ़ना होगा। संसार में पुरुषार्थ करने वाला व्यक्ति ही जीवन की इस घुड़-दौड़ में विजयी होता है। माना कि अपने लक्ष्य तक पहुँचने और सफलता प्राप्त करने की रास्ता कठिनाई से भरा है और कठिन है, परंतु तुम्हें निडर बनकर उन कठिनाइयों से लड़ना होगा। हे मनुष्य! आलस्य को त्याग कर अपने जीवन में आगे बढ़ो।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) बाज़ी जीतने के लिए कवि ने क्या सुझाव दिया है?

उत्तर– बाज़ी जीतने के लिए कवि ने मुसाफ़िर को पेड़ की छाया यानी आराम को त्याग कर अपने पथ पर आगे बढ़ने के लिए कहा है।

(ख) कवि ने संसार को 'अविराम सफ़र' क्यों कहा है?

उत्तर– कवि ने संसार को अविराम सफ़र इसलिए कहा है, क्योंकि जीवन में थककर या रुककर बैठने वाला हार जाता है। लगातार आगे बढ़ना ही जीवन में सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र है।

(ग) कवि मुसाफ़िर से छाया छोड़ने के लिए क्यों कह रहा है?

उत्तर– कवि मुसाफ़िर से छाया छोड़ने के लिए इसलिए कह रहा है क्योंकि जीवन एक अविराम सफ़र है, इसमें आराम करने के लिए या थककर रुक जाने के लिए कोई स्थान नहीं है। यदि वह इसी प्रकार छाया में बैठकर आराम करता रहा, तो पिछड़ जाएगा।

(घ) कवि कविता के द्वारा क्या संदेश दे रहा है?

उत्तर– कवि कविता के द्वारा यह संदेश दे रहा है कि पुरुषार्थ ही जीवन का मूल मंत्र है। अपने जीवन पथ पर हमें लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। आलस्य का त्याग करके, अपना कर्म करते रहना चाहिए।

2. भावार्थ लिखिए–

(क) समर सतत आराम कहाँ है?

उत्तर– इस पंक्ति के द्वारा कवि यह कहना चाह रहा है कि जीवन एक लगातार चलने वाले युद्ध के समान है। इसमें आराम के लिए कोई स्थान नहीं है। जो आराम के लिए ठहर जाता है, वह इस युद्ध में हार जाता है।

(ख) रख दे अंगारों के मुख पर, तू लोहे के पाँव।

उत्तर– इस पंक्ति का यह आशय है कि जीवन के मार्ग में जो भी संकट आएँ, उन्हें अपने हौंसलों से भरे पैरों तले रोंदते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए। संकटों से कभी घबराना नहीं चाहिए।

3. निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों से आए हैं, लिखिए–

(क) रास्ते में यदि बाधाएँ आएँ, तो उन्हें नष्ट करते हुए आगे बढ़ो।

उत्तर– रख दे अंगारों के मुख पर तू लोहे वे पाँव मुसाफ़िर।

(ख) इस दुनिया में एक दूसरे से आगे बढ़ने का युद्ध छिड़ा हुआ है, आराम करने के लिए यहाँ कोई स्थान नहीं हैं।

उत्तर– बल-पौरुष घुड़-दौड़ यहाँ है, समर सतत आराम कहाँ है?

भाषा का संसार

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

समर	– युद्ध, संग्राम,	मुसाफ़िर	– यात्री, राहगीर
डगर	– रास्ता, मार्ग	पेड़	– वृक्ष, विटप

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

सबल	= स + बल	बलहीन	= बल + हीन
विजय	= वि + जय	बलवान	= बल + वान
पराजय	= पर + अजय	अविराम	= अ + विराम

3. कविता में आए छः क्रिया पद छाँटकर लिखिए–

उत्तर– छोड़, रख, लगी, ढ़लती, जाती, घूम

4. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

यात्रा, छाँव, निरंतर, अस्त, यात्री

(क) सूर्य पूर्व में उदय होता है और पश्चिम में <u>अस्त</u> होता है।

(ख) मुसाफ़िर को हम <u>यात्री</u> भी कहते हैं।

(ग) यात्री को पेड़ की <u>छाँव</u> छोड़कर लगातार <u>यात्रा</u> करनी पड़ती है।

(घ) मुसाफ़िर को <u>निरंतर</u> आगे बढ़ना पड़ता है।

'ध्यान से सुनिए', 'सूझ-बूझ', 'कल्पना की दुनिया' तथा 'कविता से आगे' के अभ्यास अध्यापकों के सहयोग एवं मार्ग दर्शन में छात्र स्वयं करेंगे।

18. नया सवेरा

शीर्षक– नया सवेरा **समयावधि–** 4-5 कालांश

उद्देश्य–

- अपने भीतर छिपे विविध गुणों को पहचानना
- जीवन में उचित मार्गदर्शन प्राप्त करना।
- सहयोग, सहानुभूति, उत्साह, कृतज्ञता जैसे मानवीय गुणों पर बल।
- भाषायी कौशलों का विकास।
- कारक, लिंग, विराम-चिह्न, विलोम शब्द आदि का अभ्यास।

सहायक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट, सी. डी., कंप्यूटर/ प्रोजेक्टर।

शिक्षण संकेत–

- पाठ के आरंभ में दिए गए 'पाठ से पहले' अभ्यास को छात्रों से करने के लिए कहें। तत्पश्चात उस पर चर्चा करें।
- सी. डी. चलाकर छात्रों को पाठ दिखाएँ तथा सुनाएँ।
- शुद्ध उच्चारण तथा विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए पाठ का भावपूर्ण वाचन करें। अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ तथा उनका व्यावहारिक प्रयोग भी समझाएँ। छात्रों से कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- बीच-बीच में पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न छात्रों से पूछकर उनकी भागीदारिता सुनिश्चित करें।
- पाठ के अंत में पाठ में निहित भाव पर चर्चा करें।
- तत्पश्चात छात्रों से पाठ का मौन और मुखर वाचन करवाएँ। ध्यान रखें कि सभी छात्रों को वाचन का अवसर मिलें।
- पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर चर्चा करें।
- इसके उपरांत पाठ में दिए गए अभ्यास प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें। उनके द्वारा बताए गए उत्तरों में आवश्यकतानुसार सुधार करें।
- पाठ में दिए गए चित्रों में से अपना मनपसंद चित्र 'चित्र रचना' के रूप में बनाने के लिए कहें।
- पाठ्येतर गतिविधि व क्रियाकलापों पर भी चर्चा करें।

अभ्यास कार्य

लिखकर बताइए–

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(क) दोनों भाइयों को कौन-कौन सी भाषाएँ आती थीं?

उत्तर– दोनों भाइयों को कन्नड़, तमिल, तेलुगू और हिंदी भाषाएँ आती थीं।

(ख) कार की सर्विस में दो घंटे लगते, तब तक लेखिका क्या करती?

उत्तर– कार की सर्विस करवाते समय लेखिका पेड़ के नीचे बैठकर पुस्तक पढ़ती थीं।

(ग) रघु का जीवन किसने बदला?

उत्तर– लेखिका द्वारा सुनाई गई कहानियों से प्रभावित होकर रघु का जीवन बदल गया।

(घ) विद्यार्थी जीवन को रेगिस्तान क्यों कहा गया है?

उत्तर– विद्यार्थी के जीवन को एक रेगिस्तान के समान इसलिए कहा गया है क्योंकि उसके जीवन में आने वाली मुसीबतें गरम रेत के समान हैं, परीक्षाएँ तपते हुए सूरज के समान हैं और पढ़ाई भूख और प्यास के समान है।

(ङ) पढ़ाई भूख और प्यास की तरह क्यों है?

उत्तर– जिस प्रकार भूख और प्यास लगने पर मनुष्य भोजन करता है, उसी प्रकार मस्तिष्क की भूख मिटाने के लिए पढ़ाई करके ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए–

(क) लेखिका रघु और माधव के विषय में क्या कहती हैं?

उत्तर– लेखिका रघु और माधव के विषय में यह बताती हैं कि दोनों जुड़वा भाई सर्विस स्टेशन पर काम करते थे। बहुत गरीब होने के कारण वे पाठशाला नहीं जा पाते थे। वे दोनों कई भाषाएँ बोलना जानते थे। वे दोनों बहुत लगन से काम करते थे और सदा प्रसन्न रहते थे। उनके पिता की मृत्यु हो चुकी थी और उनकी माँ मजदूरी करती थी। गरीबी के कारण केवल चौथी कक्षा तक ही पढ़ पाए। सर्विस स्टेशन पर भी उन्हें अधिक आय नहीं होती थी। वे एक गंदी बस्ती में अपने चाचा के साथ रहते थे।

(ख) रघु का जीवन कैसे बदल गया?

उ० लेखिका द्वारा सुनाई गई कहानियों से प्रभावित होकर रघु ने सभी कठिनाइयों के बावजूद पढ़ने का निश्चय कर लिया। दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ते हुए उसने स्कूल की पढ़ाई समाप्त कर ली। सर्विस स्टेशन के मालिक ने भी उसकी सहायता की और 'ऑटोमोबाइल डिप्लोमा' के लिए फ़ीस भी दी। वह पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करता रहा। बाद में बैंक से ऋण लेकर उसने गैराज बनाया। आगे चलकर उसने ऋण भी चुका दिया और सफल व्यक्ति बन गया।

(ग) अगली सुबह उठने के बाद दूसरे लड़के ने क्या सोचा और उसके साथ क्या हुआ?

उत्तर– अगले दिन जब दूसरा लड़का उठा, तो उसने देखा कि उसकी परछाई उससे अधिक लंबी है। परछाई की लंबाई देखकर उसने सोचा कि वह ऊँट का शिकार करेगा। वह सारा दिन ऊँट की खोज में भटकता रहा। उसने उन छोटे जानवरों की ओर ध्यान नहीं दिया, जिन्हें वह सरलता से पकड़ सकता था। ऊँट ढूँढ़ते-ढूँढ़ते शाम हो गई और उसकी परछाई छोटी हो गई। जिसे देखकर वह चूहे के शिकार की कोशिश करने लगा।

(घ) कहानी सुनकर रघु ने क्या निश्चय किया? उसने जो निश्चय किया, क्या वह सही था? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर– कहानी सुनकर रघु ने यह निश्चय कर लिया कि वह सभी कठिनाइयों के बावजूद पढ़ाई करेगा। उसने अपनी मेहनत और लगन से कठिनाइयों को दूर करके अपनी पढ़ाई समाप्त की। उसका निश्चय बिलकुल सही था, क्योंकि इसी निश्चय के बल पर वह जीवन में आगे बढ़ पाया। आगे की पढ़ाई और डिप्लोमा लेने में उसके मालिक ने भी उसकी सहायता की। आगे चलकर उसने अपना गैराज भी स्थापित कर लिया।

(ङ) 'नया सवेरा' कहानी का मुख्य पात्र कौन है? क्यों?

उत्तर– नया सवेरा कहानी का मुख्य पात्र रघु है क्योंकि एक असली नायक की भाँति उसने जीवन में संघर्ष किया और कठिनाइयों से हार नहीं मानी। लेखिका की कहानियों से प्रेरणा लेकर वह आगे बढ़ता गया और एक सफल व्यक्ति बन गया।

3. आशय स्पष्ट कीजिए–

(क) "अब हमारी भूमिका बदल गई थी, मैं श्रोता तथा वह कथानायक था।"

उत्तर– इस पंक्ति का आशय है कि पहले लेखिका रघु और माधव को कहानियाँ सुनाया करती थी। आज रघु उसे कथानायक बनकर अपने जीवन की कहानी सुना रहा था। इस समय लेखिका श्रोता बन कर उसकी कहानी सुन रही थी।

(ख) "जितना ज्यादा इकट्ठा करोगे, उतना ही जीवन अच्छा होगा।"

उत्तर– इस पंक्ति में लेखक यह कहना चाहता है कि पत्थर अनुभवों के समान हैं हम जीवन में जितने अनुभव प्राप्त करेंगे, उतना ही हमारे लिए अच्छा होगा। यही अनुभव हमें उचित निर्णय लेने में सहायता करेंगे।

पठित बोध

इतनी सारी .... नहीं होती।

(क) 'वे दोनों' शब्द किसके के लिए प्रयोग किया गया है।

उत्तर– 'वे दोनों' शब्द रघु और माधव के लिए प्रयोग किया गया है।

(ख) उन दोनों के जीवन में क्या मुश्किल थी?

उत्तर– उन दोनों के पिता नहीं थे। माँ मजदूरी करके घर चलाती थी। वे दोनों भी गैराज में काम करते थे। गरीबी के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़ देनी पड़ी।

(ग) 'खुशी धन पर आधारित नहीं होती' का क्या अर्थ हैं?

उत्तर– इसका अर्थ है कि खुशियाँ धन से नहीं खरीदी जा सकतीं। यदि आप हर परिस्थिति में मुस्कराते रहते हैं, तब आपको सच्ची खुशी प्राप्त हो जाती है। यदि आप मन से खुश नहीं हैं, तो धन भी आपको प्रसन्न नहीं कर सकता।

भाषा का संसार

1. उदाहरण के अनुसार शब्दों के लिए एक वाक्य लिखिए–

उ०(क) वहाँ एक <u>मन को छूने</u> वाली कहानी के बारे में बताया जा रहा है। मर्मस्पर्शी

(ख) सभा में भाषण <u>सुनने वाले</u> बैठे थे। श्रोता

(ग) मेरी कक्षा में एक बच्चा है, <u>जो बहुत बोलता है</u>। वाचाल

(घ) हिमालय का सौंदर्य <u>देखने योग्य</u> है। दर्शनीय

(ङ) <u>जानने की इच्छा रखनेवाला</u> ही जीवन में सफल होता है। जिज्ञासु

(च) माधव लेखिका के प्रति <u>उपकार को मानने वाली</u> है। कृतज्ञ

2. निम्नलिखित वाक्यों में कारक रेखांकित कर उनके भेद लिखिए–

उ०(क) वे अपने जीवन के बारे में बताने लगे। कर्ता, संबंध कारक

(ख) वे कभी भी किसी काम के लिए मना नहीं करते थे। संप्रदान

(ग) वे खुशी-खुशी उन रेशमी कपड़ों को स्वीकार करते। कर्म

(घ) आप 'गुडलक गैरेज' के मालिक को जानती हैं? संबंध, कर्म

(ङ) एक गाँव में बहुत गरीब लोग रहते थे। अधिकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त विराम-चिह्न लगाइए–

उ०(क) कही भी जाना हो, मुझे स्वयं ही अपनी गाड़ी चलानी पड़ती।

(ख) दोनों भाइयों को कन्नड़, तमिल, तेलुगू और हिंदी भाषा आती है।

(ग) क्या आप हमें कहानी सुनाएँगी?

(घ) मुझे बताओ, वह कहानी कौन-सी थीं?

(ङ) उनकी उम्र के बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं, खेलते हैं और मौज-मस्ती करते हैं।

4. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए–

उ०(क) मैडम, हम कभी-कभी काम के लिए साफ़ कपड़े पहनते हैं।

(ख) उनके चेहरे पर प्रसन्नता दिखाई देती है।

(ग) मैं हमेशा उसी गैराज में जाना नापसंद करता हूँ।

(घ) अमीरी के कारण उन्हें पढ़ाई अपनानी पड़ी।

अपठित अवबोधन, सूझ-बूझ, कल्पना की दुनिया तथा खेल-खेल में' अध्यापक के सहयोग और परामर्श से छात्र स्वयं करेंगे।